संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक-013/रायगढ़/2020-2022

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 262 गुरूवार 24 जुलाई 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लैंडिंग के तुरंत बाद एयर इंडिया के विमान एआई-315 में लगी आग

नई दिल्ली,23 जुलाई 2025(ए)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब हॉगकॉग से आई एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-315 में लैंडिंग के कुछ ही देर बाद आग लग गई। घटना दोपहर 12:20 बजे करीब टर्मिनल 3 पर जब यात्री विमान से उतर ही रहे थे तभी फ्लाइट के सहायक पावर यूनिटमें आग लग गई और फ्लाइट के अलार्म सिस्टम ने सिग्नल दिया। सिग्नल के तुरंत बाद फ्लाइट क्रू एक्शन में आया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। कुल 170 यात्री और क्रू सदस्य समय रहते विमान से निकाल लिए गए।

छात्रों ने बनाया लड़ाकू ड्रोन, भारतीय सेना करेगी उपयोग

नई दिल्ली,23 जुलाई 2025(ए)। देश की आत्मनिर्भर रक्षा नीति को मजबूती देते हुए हैदराबाद स्थित बीआईटीएस पिलानी के 2 छात्र जयंत खत्री और शौर्य चौधरी ने एक ऐसा लड़ाकू ड्रोन बनाया किया है, जिसे भारतीय सेना भी मजबूत संभवित हथियार के रूप में देख रही है।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर सियासी बवाल

नीतीश का इस्तीफा और धनखड़ का जानाःआरजेडी का सनसनीखेज दावा...

» बीजेपी पर बड़ी साजिश रचने का आरोप...

पटना,23 जुलाई 2025 (ए)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की खबरों के बीच बिहार की सियासत में हलचल तेज हो गई है। लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने सनसनीखेज दावा किया है कि धनखड़ का इस्तीफा भारतीय जनता पार्टी की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। आरजेडी विधायक मुकेश रोशन ने आरोप लगाया कि बीजेपी का अगला निशाना बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जिन्हें उपराष्ट्रपति बनाकर दिल्ली भेजा जाएगा। इसके बाद जनता दल यूनाइटेड का बीजेपी में विलय कर लिया जाएगा, ताकि बीजेपी अकेले दम पर बिहार विधानसभा चुनाव लड़ सके।

जेडीयू का पलटवारः नीतीश बने रहेंगे सीएम

आरजेडी के आरोपों पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बिहार सरकार में जेडीयू कोटे से मंत्री मदन सहनी ने कहा, नीतीश कुमार न उपराष्ट्रपति बनेंगे,न ही इस्तीफा देंगे। वे बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे और उनके नेतृत्व में एनडीए विधानसभा चुनाव लड़ेगा। सहनी ने आरजेडी के दावों को बेबुनियाद और सियासी नौटंकी करार दिया।

सियासी गलियारों में चर्चा तेज

धनखड़ के इस्तीफे और आरजे्रडी के दावों ने बिहार की सियासत को गरमा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार में एनडीए गठबंधन के भीतर तनाव बढ़ सकता है। हालांकि, बीजेपी की ओर से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले यह विवाद क्या रंग लाएगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

आरजेडी का आरोपः नीतीश को हटाने की साजिश

मुकेश रोशन ने दावा किया कि बीजेपी को लगने लगा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नाम पर वोट नहीं मिलेंगे। विभिन्न सर्वेक्षणों में नीतीश की लोकप्रियता में कमी का हवाला देते हुए रोशन ने कहा, बीजेपी ने नीतीश को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया है। धनखड़ का इस्तीफा भी इसी कड़ी का हिस्सा है। उन्हें जबरन हटाया गया है। आरजेडी का कहना है कि बीजेपी बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए यह रणनीति कर रही है।

चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू की...

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब नया उपराष्ट्रपति कौन होगा? देश को इंतजार है। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण अब भारत के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद को भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर अब निर्वाचन आयोग ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया। संविधान के अनुच्छेद 68 के तहत उपराष्ट्रपति पद रिक्त होने पर जल्द से जल्द चुनाव कराना अनिवार्य है। नियम के मुताबिक, यह प्रक्रिया 19 सितंबर 2025 तक पूरी करनी होगी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार यानी 21 जुलाई 2025 को अचानक इस्तीफा दिया था। उनके इस्तीफे से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई थी। किसी को भी भनक नहीं लगी थी कि ऐसा भी कुछ होगा। खुद राष्ट्रपति भवन के स्टाफ हैरान थे कि जगदीप धनखड़ अचानक राष्ट्रपति से मिलने क्यों पहुंचे थे। जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह सेहत को प्राथमिकता देने के चलते इस्तीफा दे रहे हैं,मगर कांग्रेस को इस फैसले में कुछ दाला में काला जैसा दिख रहा है...।

सुप्रीम कोर्ट की समिति की रिपोर्ट पर न्यायमूर्ति वर्मा ने जताई आपत्ति

मुख्य न्यायाधीश गवई ने सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली,23 जुलाई 2025 (ए)। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है जिसमें उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है। इस रिपोर्ट में उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं और उन्हें पद से हटाने की सिफारिश की गई है। न्यायमूर्ति वर्मा ने इन आरोपों को गलत बताते हुए निष्पक्ष सुनवाई की मांग की है।बुधवार को जब न्यायमूर्ति वर्मा के वकील कपिल सिब्बल ने मामले की तात्कालिक सुनवाई की मांग की, तब मुख्य न्यायाधीश बी.

आर. गवई ने स्पष्ट किया कि वे इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ÷मैं इस मामले की सुनवाई नहीं कर पाऊँगा, क्योंकि मैं उस जांच समिति का हिस्सा था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस मामले की सुनवाई के लिए एक अलग विशेष पीठ का गठन किया जाएगा। देश की निगाहें टिकी होंगी।

कृषि विभाग का अधिकारी निकला करोड़ों का आसामी

घर से बेहिसाब सोने के आभूषण और नकदी मिली,छापेमारी में खुली पोल

बेंगलुरु,23 जुलाई 2025(ए)। कर्नाटक से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 8 सरकारी कर्मचारियों पर कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने छापा मारा है। बेंगलुरु के अलावा मैसुरु, कलबुर्गी, कोप्पल और मडिकेरी में कार्यवाही चल रही है। इस दौरान कृषि विभाग के एक अधिकारी के पास से बेहिसाब सोने के आभूषण और नकदी पाई गई है।कृषि विभाग में असिटेंट डायरेक्टर के पद पर काम करने वाले एक अधिकारी के घर से बेहिसाब सोने के आभूषण और नकदी पाई गई है। अभी ये नहीं पता लगा कि इस संपत्ति का बाजार मूल्य क्या है लेकिन जो तस्वीर सामने आई है, उसे देखकर लगता है कि इस ज्वैलरी की कीमत काफी अधिक है।

राज्यसभा की बीएसी बैठक में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग

» कहा...सुनिश्चित हो पीएम की मौजूदगी

नई दिल्ली,23 जुलाई 2025(ए)। राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की जोरदार मांग उठाई। विपक्षी दलों ने सुझाव दिया कि इस मुद्दे पर अगले सप्ताह से दो दिनों तक 16 घंटे की विस्तृत चर्चा आयोजित की जाए, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति सुनिश्चित हो। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल थे। बैठक की अध्यक्षता उपसभापति हरिवंश ने की।

यह बैठक मूल रूप से सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उपराष्ट्पति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एकजुट होकर मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले सप्ताह शुरू हो। उन्होंने सुझाव दिया कि लोकसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के एक दिन बाद राज्यसभा में बहस हो। तिवारी ने स्पष्ट किया कि यह सामान्य चर्चा होनी चाहिए, बिना किसी प्रस्ताव के। विपक्ष ने प्रधानमंत्री की उपस्थिति की मांग की, जिस पर सरकार ने आश्वासन दिया। संसद के दोनों सदनों में पहलगाम हमले, बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा और अन्य मुद्दों पर हंगामे के कारण कार्यवाही बार-बार बाधित हो रही है।

उपयोग में लेने वाले 3 हजार से ज्यादा दवाईयां नकलीं खराब

नई दिल्ली,23 जुलाई 2025(ए)। देश भर में लगभग हर दूसरा आदमी किसी न किसी बीमारी से जूझ रहा है. इससे निजात पाने के लिए लोग दवाइयों को सहारा लेते हैं, ताकि वो बीमारी खत्म हो सके और दर्द कम हो सके. हालांकि इन दवाईयों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. इसके मुताबिक दवा कंपनियां आपकी जान से खिलवाड़ कर रही हैं. केंद्र सरकार की तरफ से मंगलवार को राज्यसभा में स्टैंडर्ड क्वालिटी के बारे में जानकारी दी गई. इसमें पाया गया कि 3104 दवाएं खराब पाई गई हैं.

पत्नी ने पति के करवाए तीन टुकड़े

कमरे में दफनाया और ऊपर लगवा दी टाइल्स,

मुंबई,23 जुलाई 2025(ए)। मुंबई के नाला सोपारा में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी और शव को कमरे में ही दफनाकर ऊपर टाइल्स लगवा दीं। इतना ही नहीं, उसी बेड पर दोनों आराम से सोते रहे। कुछ दिन बाद महिला अपने प्रेमी और बेटे के साथ फरार हो गई। मंगलवार को जब यह खबर अभयचंद पट्टी गांव में पहुंची, तो परिवार में हड़कंप मच गया।

दुनिया में बढ़ा भारत का मान

▸▸ पासपोर्ट की ताकत में हुआ बड़ा इजाफा

▸▸ अब 59 देशों में बिना वीजा मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली,23 जुलाई 2025(ए)। भारतीय पासपोर्ट की ताकत में बड़ा इजाफा हुआ है। जुलाई 2025 के लिए जारी हुई प्रतिष्ठित हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने जनवरी के मुकाबले 8 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। इस सुधार के साथ भारत की रैंकिंग 85वें से सुधरकर 77वें स्थान पर पहुंच गई है। अब भारतीय पासपोर्ट धारक दुनिया के 59 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। वैश्विक रैंकिंग में सिंगापुर ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। सिंगापुर के पासपोर्ट धारकों को दुनिया के 227 गंतव्यों में से 193 में वीजा-मुक्त पहुंच प्राप्त है। इस सूची में एशियाई देशों का दबदबा कायम है, जिसमें जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

बैग में जिलेटीन स्टिक और डेटोनेटर मिलने से मचा हड़कंप

बेंगलुरु,23 जुलाई 2025(ए)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक बड़ी साजिश का समय रहते पर्दाफाश हो गया अन्यथा एक बड़ी घटना हो सकती थी। कलासीपल्या बीएमटीसी बस स्टैंड के पास सार्वजनिक शौचालय के बाहर एक बैग में विस्फोटक मिलने से हड़कंप मच गया। बैग की तलाशी में पुलिस ने जिलेटीन स्टिक और डेटोनेटर बरामद किया है। करीब दोपहर 2 बजे के आसपास सार्वजनिक शौचालय के बाहर बैग में 6 जिलेटीन स्टीक और डेटोनेटर मिला। एक बैग के अंदर ये दोनों विस्फोटक अलग-अलग रखे गए थे। सार्वजनिक शौचालय के इंचार्ज दीपक ने कहा कि आने वाले दिनों में ष्टरूके प्रोग्राम को लेकर सफाई का जायजा लेने के लिए महानगर परिवहन निगम यानी बीएमटीसी के अधिकारियों की टीम उनसे बात कर रही थी

संपादकीय

दोनों पायलटों की बातचीत उलझा मामला

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे का सच सामने आने की उम्मीद के सूत्र प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से और उलझ गए हैं। इसके अनुसार उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गए थे जिसके कुछ सेकंड बाद लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों की बातचीत के संक्षिप्त से हिस्से ने मामले को उलझा दिया है। रिपोर्ट के अनुसारकॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग में एक पायलट को दूसरे से पूछते सुना गया कि कि उसने ईंधन क्यों बंद किया तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन सी आवाज किस पायलट की है।10 क्रू सदस्यों और 241 यात्रियों सहित इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे उन्हें न्याय मिलने का इंतजार अंतिम रिपोर्ट आने तक अधर में लटक गया है।विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट के अनुसार,दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने के तुरंत बाद कटऑफ' स्थिति में चले गए थे। यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या किसने किया। हालांकि पायलटों ने दोनों स्विच चालू कर दिए थे लेकिन विमान को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाने में सफल नहीं हो सके।रिपोर्ट के अनुसार,जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट के संकेत पायलटों को संदेह के दायरे में लाते हैं जबकि दोनों पायलट अत्यंत अनुभवी थे। विमानन विशेषज्ञों का भी कहना है कि ये स्विच ऐसी स्थिति में नहीं होते कि असावधानीवश छू जाने से सक्रिय हो जाएं। प्रारंभिक रिपोर्ट विमान के ऑपरेटरों को फिलहाल कार्रवाई से बख्श देती है।विमान के उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद की सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) नामक बैकअप' ऊर्जा स्रोत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि इस ओर वायु यातायात नियंत्रक का ध्यान क्यों नहीं गया वरना पायलट के आपातकालीन संकेत मे डे, मे डे,मे डे जारी करने से पहले ही सहायता मिल सकती थी। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की बात यहां समझदारीपूर्ण लगती है कि प्रारंभिक रिपोर्ट और पायलटों की बातचीत से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

योगी की सख्ती से यूपी छोड़ रहे हैं दिग्गज ब्यूरोक्रेट्स

अजय कुमार
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में प्रशासनिक तंत्र हमेशा चर्चा में रहा है। योगी सरकार की कार्यशैली,जिसमें सख्ती और जवाबदेही पर जोर है,ने न केवल नीतिगत फैसलों को प्रभावित किया,बल्कि ब्यूरोक्रेसी के ढांचे और अधिकारियों की भूमिका को भी नया आकार दिया। पिछले कुछ वर्षों में कई दिग्गज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर कम प्रभावशाली भूमिकाओं में भेजा गया,जिसे नौकरशाही हलकों में हाशिए पर धकेलने के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और लगातार प्रशासनिक फेरबदल ने यूपी की ब्यूरोक्रेसी को एक नया चेहरा दिया है। गौरतलब हो 2022 में सत्ता हासिल करते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रशासनिक अधिकारियों पर सख्त नजर आये थे और यह सिलसिला आज तक जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली में नौकरशाहों से त्वरित परिणाम और पारदर्शिता की अपेक्षा रही है। इस कारण कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाया गया। उदाहरण के लिए, 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को 2025 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई योगी सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त नीति का हिस्सा थी। अभिषेक प्रकाश जैसे अधिकारियों का निलंबन न केवल उनके करियर पर प्रभाव डालता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सरकार किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसी तरह, 2011 बैच के आईएएस अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडेय,जो उन्नाव में जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत थे,को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया गया। हालांकि,बाद में उनकी बहाली हुई,लेकिन इस तरह की कार्रवाइयों ने उनकी प्रशासनिक छवि को प्रभावित किया। वैसे प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा छिड़ी रहती है कि योगी जी के राज में एक खास बिरादरी के अधिकारियों पर ज्यारा विश्वास जताया जा रहा है,भले ही उनकी छवि साफ सुथरी नहीं हो। वैसे ऐसे ही आरोप विपक्ष के नेताओं खास कर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी लगाते रहे हैं कि योगी सरकार में क्षत्रियवाद बुरी तरह से हावी है।

वैसे यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि यूपी की ब्यूरोक्रेसी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी भी एक बड़ा मुद्दा रहा है। पिछले साल एक समाचार पत्र में रिपोर्ट आई थी,जिसके अनुसार यूपी में अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के 16 स्वीकृत पदों में से केवल 11 पर ही अधिकारी तैनात थे। इसी तरह, प्रमुख सचिव स्तर पर 36 में से 29 और सचिव स्तर पर 96 में से 58 अधिकारी ही कार्यरत थे। कुल मिलाकर,यूपी में 652 आईएएस अधिकारियों की जरूरत के मुकाबले केवल 560 अधिकारी उपलब्ध हैं। इस कमी का एक कारण यह भी माना जाता है कि कई वरिष्ठ अधिकारी केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं। 1989 बैच के भुवनेश कुमार चतुर्वेदी केंद्रीय कृषि विभाग में सचिव बनकर चले गए,जबकि 1991 बैच के कामरान रिजवी और निवेदिता केंद्र में अतिरिक्त सचिव के पद पर हैं। कुछ नौकरशाही हलकों में यह चर्चा है कि योगी सरकार की सख्त कार्यशैली के कारण कई अधिकारी केंद्र की नौकरी को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे यूपी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी और गहरा रही है।

प्रशासनिक फेरबदल योगी सरकार की एक और विशेषता रही है। हाल के वर्षों में सैकड़ों आईएएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इसी वर्ष 22 पीसीएस अधिकारियों को प्रोन्नति देकर आईएएस बनाया गया,जिन्हें जल्द ही नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। इनमें से कुछ को जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया जा सकता है। इसके अलावा,2024 और 2025 में कई बड़े पैमाने पर तबादले हुए, जिनमें 5 से 15 आईएएस अधिकारियों को एक साथ बदला गया। सितंबर 2024 में प्रनत ऐश्वर्य को मुख्य विकास अधिकारी अंबेडकरनगर से विशेष सचिव नमामि गंगे और संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम ग्रामीण बनाया गया। इसी तरह, उमेश प्रताप सिंह को भूतत्व खनिकर्म विभाग से पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में स्थानांतरित किया गया। इन तबादलों को सरकार की कार्यकुशलता बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जाता है,लेकिन कई बार इन्हें अधिकारियों को हाशिए पर धकेलने के रूप में भी व्याख्या की जाती है। कई मामलों में,अधिकारियों को कम महत्वपूर्ण विभागों या पदों पर भेजा गया, जिसे नौकरशाही में डिमोशन के रूप में देखा जाता है। लखीमपुर खीरी में खेत की पैमाइश में देरी के एक पुराने मामले में 2024 में आईएएस अधिकारी घनश्याम सिंह सहित तीन पीसीएस अधिकारियों को निलंबित किया गया। हालांकि,घनश्याम सिंह को बाद में बहाल कर लिया गया, लेकिन इस तरह की कार्रवाइयां अधिकारियों की छवि और प्रभाव को कम करती हैं। इसी तरह, 2015 बैच के कुछ अधिकारियों को जिलाधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों की रेस में शामिल होने के बावजूद कम प्रभावशाली भूमिकाओं में रखा गया। सूत्रों के अनुसार,प्रणय सिंह,अमनदीप डुली और आलोक यादव जैसे अधिकारियों को जल्द ही जिलाधिकारी बनाया जा सकता है, लेकिन अभी तक उनकी तैनाती अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण पदों पर ही रही है। योगी सरकार की नीतियों ने ब्यूरोक्रेसी में जवाबदेही को बढ़ावा दिया है,लेकिन इस प्रक्रिया में कई दिग्गज अधिकारियों को हाशिए पर जाने का सामना करना पड़ा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाइयां,जैसे 11 आईएएस अधिकारियों का निलंबन,और लगातार तबादले,ने नौकरशाही में एक तरह का दबाव बनाया है। कुछ अधिकारी इसे सरकार की सख्ती के रूप में देखते हैं,जबकि कुछ इसे प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने की रणनीति मानते हैं। इसके बावजूद,यह स्पष्ट है कि योगी सरकार की प्राथमिकता कार्यकुशलता और पारदर्शिता है, जिसके लिए वह किसी भी स्तर पर समझौता करने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर,सरकार की योजनाओं को लागू करने में ब्यूरोक्रेसी की भूमिका अहम रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, और मुफ्त बस सेवा जैसी पहलें नौकरशाही के सहयोग से ही संभव हुई हैं। लेकिन इन योजनाओं को लागू करने में विफलता या देरी ने कई अधिकारियों को सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा। कुंभ मेला 2025 की तैयारियों के लिए विजय किरन आनंद जैसे अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं,जबकि कुछ अन्य को कम प्रभावशाली भूमिकाओं में रखा गया।बहरहाल,यूपी की ब्यूरोक्रेसी में बदलाव का यह दौर न केवल प्रशासनिक ढांचे को प्रभावित कर रहा है,बल्कि अधिकारियों के करियर पथ को भी नया आकार दे रहा है। योगी सरकार की सख्ती और लगातार फेरबदल ने कई दिग्गज आईएएस अधिकारियों को हाशिए पर धकेल दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इस प्रक्रिया ने नए और ऊर्जावान अधिकारियों को मौका दिया है। कुल मिलाकर,यूपी की ब्यूरोक्रेसी एक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है,जहां जवाबदेही और परिणाम सरकार की प्राथमिकता बने हुए हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

क्या लेखिका तन्वी कुछ गलत कह रही है ? बताओ

सच बोल रही हूॅं...हॉं-हॉं बिलकुल सच ! आज भी हम यातायात के दुर्व्यवहार के चलते बहुत परेशान हैं । क्यों कि आज

वीना आडवानी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

के समय में बढ़ते यातायात साधनों व नये-नये तरह के साधनों के चलते जहॉं एक ओर पर्यावरण पर बहुत ही गहरा व बुरा असर हुआ है । वहीं दूसरी ओर आज के समय मे लोग ट्रेफिक नियमों को ताक में रखकर गाड़ी चलाने लगे हैं। सिग्नल पर आए दिन लोग नियमों का उल्लघंन करते दिख जाते हैं । आज के युवावर्ग भी गाड़ी चलाते समय कितनी हवाबाजी करने लगे हैं । जिसके चलते स्वयं के साथ-साथ दूसरों की जिंदगी भी दॉंव पर लगा देते है। बड़ी-बड़ी कारों को चाहे हाई-वे हो या शहर के भीतर तेज से चलाते हुए ना जाने कितने संगीन जुर्म कर बैठते। यदि कभी किसी कारणवश भूले-भटके सिग्नल बंद है तकनीकी खराबी के चलते तो अपनी जिम्मेदारी को भूल सभी यहॉं तक की मैं भी एक आध बार में शामिल हूॅं जिसको जहॉं से मिलता रास्ता या जैसा मन किया अपनी गाड़ी निकाल लेते। इसलिए आज के समय में जहॉं एक ओर यातायात परिवहन सुखद है , तो उसी के विपरीत ये आम लोगों कि गलती, दुर्व्यवहार के चलते बहुत ही हानिकारक भी है।

कहते हैं,
देश की सीमा पर
देश के रक्षक बन,
सीना ताने खड़े हैं फौजी....
और हम आम जनता
देश के भीतर बन रहे
दुर्व्यवहार कर मनमौजी।।

स्वयं के ही मन से जरा आप सवाल करें ? क्या आप सही हैं ? आपका ही भीतर मन आपका सत्य दिखाने वाले आईने में आपका असली चेहरा दिखा देगा । जिस तरह एक फौजी अपना कर्तव्य बखूबी,निडर और ईमानदारी से आप सभी की रक्षा करने के लिये अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए डटा रहता हर मौसम में सीमा पर तो क्या आप सिर्फ और सिर्फ देश के भीतर रहकर अपने देश की आम जनता के साथ-साथ स्वयं की रक्षा नहीं कर सकते ? अरे ! बल्कि आप अपने कर्तव्य पथ से भटक कर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की जान से भी खिलवाड़ करते हो। क्या फौजी इंसान नहीं हैं? क्या उन्हें सर्दी , गर्मी,बरसात जैसे मौसम का कोई असर नहीं होता है ? अरे ! वो भी इंसान है समझो वो जब सब ऋतुओं को नजर अंदाज कर आपके और आपके परिवार अपनों की रक्षा के लिये जब सदैव हाजिर हैं तो आप क्यों नहीं? आपसे ज्यादा कुछ नहीं मांग रहा सेवा में ये देश वो तो सिर्फ आपसे और ओरों से भी अपनी और दूसरों की जान से खिलवाड़ ना करने की गुजारिश कर रहा है ।

अरे ! पूछो उन फौजियों से जो छः-छः माह या एक साल कभी-कभी तो दो साल तक अपने परिवार से भी नहीं मिल पाते हैं की उनके दिल पर क्या बितती है ? तड़पते हैं कभी-कभी वो भी अपने परिवार वालों से मिलने के लिये पर विवश हैं । पता है क्यों ? क्यों की उनके आगे उनका फर्ज आड़े आता है वो अपने फर्ज को पहले महत्व देते हैं और वो फर्ज है देश और देश के वासियों की रक्षा ।

आप कितने भाग्यशाली हैं की आप अपने परिवार संग रहते । शायद यही कारण हैं की आपको परिवार वालों की कद्र या परवाह नहीं है । गलत नहीं कह रही मैं तभी तो आप घर से गाड़ी पर निकलते समय ये भूल जाते हैं कि कोई है जो आपके लौटने के इंतजार मे घर में पलकें बिछाए बैठा है । कोई है जो आप पर आश्रित है - पता है कौन आपके मासूम से बच्चे जो अपने नन्हे-नन्हे हाथों से आपके गले में झूला बना आपसे लिपटना चाहता । अब आप सोचिये की क्या एक छोटी सी लेखिका साधारण शब्दों में लिख कलम चला जो कह रही क्या वो गलत कह रही है ?

स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वासः तकनीक के युग में मानसिक गुलामी

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

आज का युग तकनीक और सूचना का है। हर हाथ में मोबाइल है, हर जेब में इंटरनेट। लेकिन क्या वास्तव में हम ज़्यादा जागरूक हुए हैं, या बस स्क्रीन पर फिसलती उंगलियों के गुलाम बन गए हैं?

विज्ञापन,वीडियो,मीम्स,रील्स और टोटकों की अंतहीन दुनिया में लोग उलझे हुए हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारे ध्यान की डोर काट दी है। पहले जो बातें गहराई से समझी जाती थीं, वे अब 30 सेकेंड के शॉर्ट्स और 280 कैरेक्टर की पोस्ट में सिमट चुकी हैं।हमारा मस्तिष्क सतही जानकारी से भर चुका है, लेकिन ज्ञान की गहराई खो चुकी है। एक समय था जब हम अख़बार में लंबा लेख पढ़ते थे, चर्चा करते थे, विचार करते थे। अब हम स्क्रॉल करते हैं बिना रुके, बिना सोचे। नतीजा? मानसिक थकावट, एकाकीपन,दिखावे की होड़ और डिजिटल अवसाद। लोग मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट करते हैं लेकिन भीतर से टूटे हुए होते हैं। 'हैशटैग हैप्पी' के पीछे एक गहरा खालीपन छिपा होता है।

सोशल मीडिया पर तथाकथित 'इन्फ्लुएंसर' अब जीवन के हर क्षेत्र में सलाह दे रहे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, रिश्ते, यहां तक कि अध्यात्म भी। लेकिन इनका ज्ञान सतही है,और उद्देश्य? व्यूज और लाइक्स। जिन्हें खुद का मानसिक स्वास्थ्य संभालना नहीं आता,वे 'मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट' बन बैठे हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारी सोच को टुकड़ों में बाँट दिया है। एक तरफ 'माइंडफुलनेस' की बात हो रही है, दूसरी तरफ हम खुद से कटते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए लोग घंटों बर्बाद कर देते हैं लेकिन वास्तविक संवाद की शक्ति खो चुके हैं। एक क्लिक में हजारों राय मिलती हैं,लेकिन उनकी वैधता कौन जाँचे? तकनीकी युग में यह उम्मीद थी कि अंधविश्वास खत्म होगा। लेकिन अब ये डिजिटल भूत-प्रेत बन चुके हैं। व्हाट्सऐप पर रात को ये मंत्र ज़रूर पढ़ें फेसबुक पर इस फोटो को 5 लोगों को भेजो, नहीं तो दुर्भाग्य आएगा यूट्यूब पर पितृ दोष हटाने का चमत्कारी उपाय क्या ये डिजिटल इंडिया है? या अंधविश्वास का नया किला?

शिक्षित लोग भी वैज्ञानिक सोच की बजाय महादेव वाले अंकल की

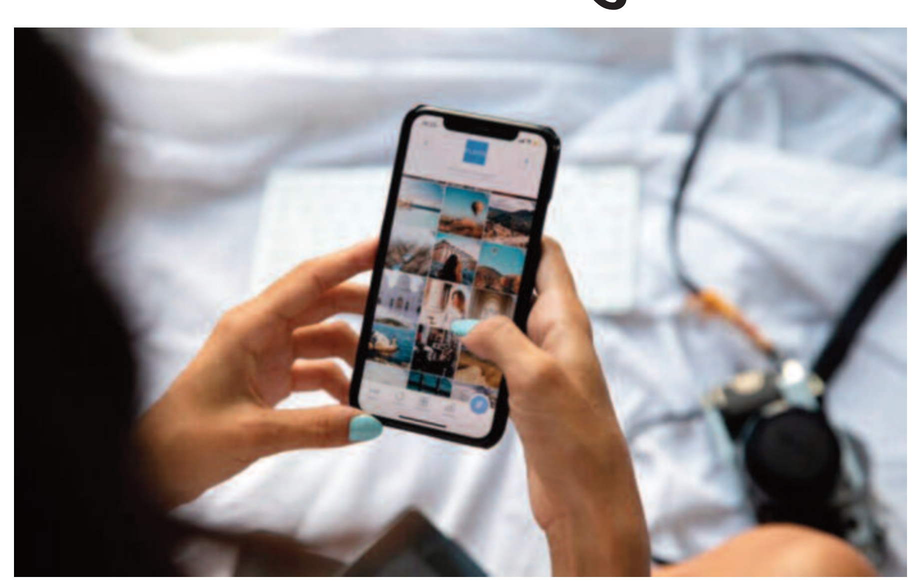

वीडियो से समाधान खोज रहे हैं। लोग जीवन की अनिश्चितता से डरते हैं। इस डर में वे अंधविश्वास का सहारा लेते हैं,जिससे उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का भ्रम मिलता है। इंटरनेट पर जानकारी है,लेकिन छँटाई करने की क्षमता नहीं सिखाई गई। नतीजतन,झूठ भी सच लगता है। हर कोई मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच,एस्ट्रोलॉजर बन गया है। बिना प्रमाणिकता के। इनका मकसद है ट्रैफिक और पैसा। बचपन में सवाल करने पर डांटा जाता है 'श्रद्धा रखो।' यही सोच वयस्क होते ही भ्रम फैलाने वाली सामग्री को ग्रहण करने में सक्षम बना देती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, औसतन भारतीय युवा रोज़ाना 4-6 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। इस दौरान वह कितनी बार खुद से जुड़ता है? स्क्रॉल करते हुए हम दूसरों की ज़िंदगी की झलक देखते हैं उनकी पार्टियों, छुट्टियों, खुशियों की तस्वीरें और अपनी ज़िंदगी से असंतुष्ट हो जाते हैं। यह तुलना भीतर एक बेचैनी और अवसाद को जन्म देती है। हमने जीवन को रील में बदल दिया है। जो दिखता है वही बिकता है यही सोच आत्मा को खोखला कर रही है। नींद की कमी, ध्यान भटकाव, सोशल एंग्जायटी, आत्म-संदेह, आत्महत्या की प्रवृत्ति ये सब स्क्रॉल संस्कृति की भेंट चढ़ते मानसिक परिणाम हैं। कई शोधों में पाया गया है कि इंस्टाग्राम, टिकटॉक और फेसबुक का अधिक प्रयोग किशोरों और युवाओं में आत्म-संकोच और डिप्रेशन बढ़ाता है। टीवी चैनल्स भी अब 'रहस्यमयी मंदिर', 'भूतिया हवेली', 'ज्योतिष समाधान' जैसे कार्यक्रमों से टीआरपी बटोरते हैं। विज्ञापन कंपनियाँ भी 'राहु-केतु दोष' जैसे शब्दों से डराकर उत्पाद बेचती हैं। जब संस्थान ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण के खिलाफ काम करें, तो जनता कैसे जागरूक हो? रोज़ 1 घंटा मोबाइल-मुक्त समय बिताएं। सप्ताह में 1 दिन डिजिटल डिटॉक्स करें। रात को सोने से 1 घंटा पहले स्क्रीन न देखें। अधूरी जानकारी के आधार पर राय न बनाएं। हर बात पर शक नहीं, पर हर बात पर सोच ज़रूर हो। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। विज्ञान, लॉजिक और तथ्य आधारित शिक्षा प्रणाली अपनाएं। स्कूलों में 'सूचना की जाँच कैसे करें' जैसे पाठ्यक्रम हों। 'फैक्ट चेकिंग' एक सामाजिक आदत बने। यू-ट्यूब पर देखी गई हर बात को सच न मानें। धर्म को आत्मा से जोड़ें, डर से नहीं। श्रद्धा का मतलब है समझना, अंधा पालन नहीं। तथाकथित चमत्कारी समाधानों की जांच-पड़ताल करें। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया था, लेकिन आज हम सबसे कट चुके हैं – खुद से भी, और समाज से भी। हम स्क्रीन पर हैं, लेकिन जीवन से बाहर हैं। हम क्लिक करते हैं लेकिन महसूस नहीं करते। सोशल मीडिया के इस कोलाहल में आत्मचिंतन की आवाज़ कहीं गुम हो गई है। आज सबसे बड़ी जरूरत है डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक वैचारिक पुनर्जागरण की। वरना ये स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास मिलकर हमें उस अंधे युग में ले जाएंगे, जहां रोशनी होगी–सिर्फ स्क्रीन से निकलती–पर भीतर घुप्प अंधेरा होगा। ज्ञान कभी स्क्रॉल में नहीं आता, वह ठहराव माँगता है। श्रद्धा कभी अंधी नहीं होती,वह तर्क से ताकत पाती है। और आज के समय में सबसे बड़ा विद्रोह है – सोचना।

राज्य सरकार के नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन डेढ़ साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी कर रिकॉर्ड कायम किया है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। इस त्यौहार से ही राज्य में खेती-किसानी की शुरूआत होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की

संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा।

परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी,औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं। सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओढ़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल,गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है।

-छगन लाल लोन्हारे-

कविता
सावन बईरी ...

घटती-घटना

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

ए सावन मोला बड़ भावै,जिवरा ल मोर धड़कावै।।
चारो कोती हे हरियाली,चमकत हे धनहा बाली।।
देख तोर सुरता बड़ आवै,जिवरा ल मोर धड़कावै।।
काजर आँजे बिरबिट करिया,छाथे आकास बदरिया,
संग पवन के भाग उड़रिया,भुइयाँ सँग प्रीत बढ़ावै,
जिवरा ल मोर धड़कावै।।
सावन मा गिरथे जब पानी,फूल खिलै आनी बानी,
छोड़ धरा मा गंध निशानी,मंद मंद पुरवा मुस्कावै,
जिवरा ल मोर धड़कावै।।
भींगे छूही अँगना महकै,चींव चींव चिरई चहकै,
चीर घटा सूरज हर लहकै,जग मा उजियारा लावै,
जिवरा ल मोर धड़कावै।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

खेत में कुर्सी लगाकर धान रोपाई करती तस्वीर सोशल मीडिया में साझा कर सुर्खियों में आईं महिला बाल विकास विभाग मंत्री

कुर्सी का मोह बढ़ा है और कुर्सी चली न जाए इसलिए मंत्री ने कुर्सी में बैठकर धान रोपाई की ऐसा है लोगों की राय...

क्या मंत्री बनने से पहले कभी कोई इस तरह की फोटो मंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की थी यह भी लोगों के सवाल है?

सोशल मीडिया में तरह तरह से लोग दे रहे प्रतिक्रिया लोकप्रियता के लिए किया गया है यह प्रयास लोगों की है राय

मंत्री का खेत पहुंचकर कुर्सी लगाकर धान रोपाई करना और सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करना लोगों के लिए बना चर्चा का आलोचना का विषय

-शमरोज खान-
सुरजपुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

प्रदेश की एकमात्र महिला मंत्री महिला बाल विकास विभाग की मंत्री अपने खेत पहुंचकर कुर्सी लगाकर धान रोपाई कर रही हैं और इस समय वह कैमरे से तस्वीर भी खिंचवाती हैं और जिसे उनके सहायक सोशल मीडिया पर साझा कर इस विषय को मंत्री जी का जमीन और संस्कृति से जुड़ाव साबित करते हैं और इसे व्यस्ततम समय में से समय निकालकर परम्परा निभाने का एक संस्कार बताते हैं। मंत्री जी ने धान की रोपाई अपने ही खेत में पहुंचकर की और उन्होंने अपने परंपरागत व्यवसाय या कार्य को सम्पन्न कर एक पारिवारिक जिम्मेदारी का भी निर्वाहन किया इस विषय को लेकर कोई बात सामने नहीं आई लेकिन उनके द्वारा इस क्षण की तस्वीरों को सोशल मीडिया में साझा करना चर्चा का विषय बन गया है और लोग अलग अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं सोशल मीडिया में और इसे लोकप्रियता के लिए किया गया एक प्रचार बता रहे हैं और इसकी आवश्यकता से वह इंकार कर रहे हैं। प्रदेश की महिला बाल विकास विभाग की मंत्री सोशल मीडिया पर विधायक बाद में मंत्री बनते काफी सक्रिय हुई हैं और लगातार उनकी सक्रियता बढ़ रही है सोशल मीडिया में यह लोगों का मानना है लेकिन लोगों का यह भी कहना है कि व्यस्ततम समय के बावजूद मंत्री जी को रील बनाने का उसे सोशल मीडिया में पोस्ट करने का मौका मिल जा रहा है यह काफी आश्चर्य जनक है क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा सत्र के दौरान वह एक सवाल के जवाब के दौरान निरुत्तर हुईं और विधानसभा अध्यक्ष के हस्तपेक्ष के बाद उनका सवाल से पीछा छूट सका। अब सवालों से घिरकर और निरुत्तर होकर सवाल को बेहतर परिणाम में तब्दील करने का कोई उपक्रम न करके मंत्री जी रील बनाकर सोशल मीडिया पोस्ट से परम्परा निभाने के हिसाब से समर्थन जुटाने में लगी हैं जिसको लेकर मामला सुर्खियों में है और लोगों का कई तरह से इस विषय पर राय सोशल मीडिया में ही सामने आ रहा है। मंत्री जी का कुर्सी पर बैठकर धान रोपाई करना भी चर्चा का विषय है और लोग इस विषय में यह भी कहने से नहीं हिचक रहे हैं कि मंत्री बनने के बाद कुर्सी का मोह ऐसा बढ़ा कि धान के खेत तक कुर्सी लेकर मंत्री जी पहुंच रहे हैं और वह कुर्सी कोई और न छीन ले इसलिए ऐसा कर रही हैं।

कुल मिलाकर मंत्री जी का धान रोपाई करने वाली कुर्सी पर बैठी तस्वीर इस समय चर्चा का विषय है और प्रतिक्रियाएं जो आ रही हैं इस तस्वीर को देखकर वह कम से कम उनके लिए पसंद का विषय नहीं होंगी यह कहा जा सकता है।

मंत्री जी रील बनाकर सोशल मीडिया में उसे साझा करने में हाल फिलहाल में माहिर हुई हैं वैसे माना जाता है यह काम निज सहायकों का होता है लेकिन उनकी ही आईडी पर सोशल मीडिया पर डाली गई तस्वीरें और उससे संबंधित विषय ज्ञान यह भले ही जतला देता है कि यह उनका प्रयास नहीं है उनके सहायकों का प्रयास है लेकिन आईडी उनकी होने का कारण कई बार ऐसे मामलों में ट्रोल होने की स्थिति बनती है जो मंत्री जी हो रही हैं। वैसे जिस अंदाज में सोशल मीडिया पोस्ट के लिए छत्तीसगढ़िया भाषा न उपयोग किया गया वह भी लोगों के अनुसार सरगुजा क्षेत्र में बोली जाने वाली सरगुझिहा भाषा से भिन्न है और वह निश्चित रूप से निज सहायकों की भाषा में उनकी विचारों की अभिव्यक्ति है जिसका माध्यम मंत्री जी की आईडी है वह भी सोशल मीडिया आईडी।

कांग्रेस का तंज,रोपा लगाने किसने किया पुश

महिला बाल विकास विभाग की मंत्री का धान के खेत में कुर्सी पर बैठकर रोपा लगाना और इस समय की तस्वीर खिंचवाकर उसे सोशल मीडिया पर साझा करना प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के लिए भी एक मुद्दा बन गया है जिसे लेकर कांग्रेस के अधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक पोस्ट जारी हुआ है जिसमें लिखा है कि क्या गांव की बूढ़ी अम्मा रोपा लगाने जाएगी तो कुर्सी और कैमरा साथ लेकर जाएगी,इन्हें किसने रोपाई के लिए पुश किया यह कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के तंज के पीछे की वजह मंत्री जी की सोशल मीडिया तस्वीर है जिसमें वह एक तरफ धान रोपाई कर रही हैं वह भी कुर्सी पर बैठकर और दूसरी तरफ कोई कैमरा लिए उनकी तस्वीर खींच रहा है और उसे उनकी सोशल मीडिया आईडी पर साझा किया जा रहा है।

जमीन से नहीं है जुड़ाव कुर्सी से है प्यार... इसलिए कुर्सी लेकर पहुंची धान रोपाई करने आम लोगों की है राय...

प्रदेश की एकमात्र महिला मंत्री का अपने धान के खेत में धान रोपाई किया जाना और वह भी कुर्सी पर बैठकर धान रोपाई किया जाना उसकी तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करना लोगों के लिए भी आलोचक बनकर आलोचना का विषय बन गया है,लोगों का कहना है कि मंत्री जी का लगाव जमीन से नहीं रह गया है उनका जुड़ाव कुर्सी से हो चुका है जिसके कारण वह धान के खेत में भी कुर्सी लेकर पहुंच रही हैं और रोपाई के दौरान फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया में साझा कर रही हैं। सोशल मीडिया में इस समय मंत्री जी के इस पोस्ट के बाद लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आई हुई है और लोग इसे इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देने से पीछे नहीं हट रहे हैं और प्रतिक्रियाएं भी आलोचना वाली हैं। लोगों की प्रतिक्रियाओं में यह भी देखने को मिला कि उन्होंने लिखा है कि गांव की महिलाएं कीचड़ में और मंत्री जी कुर्सी पर यह जमीन से जुड़ाव कैसे जब अन्य कीचड़ में हैं और वह कुर्सी पर।

सस्ती लोकप्रियता और आने वाले चुनाव की पूर्व तैयारी का है मामला ऐसा भी कह रहे लोग

लोगों की प्रतिक्रियाओं में यह भी देखने को पढ़ने को मिल रहा है कि लोग इसे सस्ती लोकप्रियता बटोरने का माध्यम मान रहे हैं और उनका कहना है कि इस तरह मंत्री जी आने वाले चुनाव के लिए तैयारी भी कर रही हैं और वह इस तरह जनता को अपने क्षेत्र के भावनात्मक रूप से खुद के साथ जोड़े रखना चाहती हैं जिससे उन्हें आने वाले चुनाव में बिना मेहनत अच्छा समर्थन मिल सके और वह चुनाव आसानी से जीत सकें,उनका प्रयास केवल और केवल राजनीतिक उद्देश्य पूर्ति वाला है यह लोगों का मानना है।

मानव दुर्व्यापार मामले में तीन महिलाएं दोषी करार विशेष न्यायालय ने सुनाई 14-14 वर्ष की कठोर सजा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

मानव तस्करी और अवयस्क बच्चियों के शोषण के गंभीर मामले में विशेष न्यायाधीश (एन.आई.ए.) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के पीठासीन अधिकारी श्री के.एल. चरयाणी ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए तीन महिला आरोपियों को दोषी करार देते हुए 14-14 वर्ष की कठोर सजा सुनाई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया है कि माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश (एन.आई.ए.) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) पीठासीन अधिकारी श्री के0 एल0 चरयाणी जी द्वारा भा.दं.सं. की धारा 120 बी,363,365, 366, 368 एवं 370 के अपराध में आरोपीगण विमला यादव,नीलू उर्फ निर्मला नायक व कोमल अहिरवार को उक्त अपराध में दोषसिद्ध घोषित किया गया। दरअसल अभियुक्तगण विमला यादव, नीलू उर्फ निर्मला नायक एवं कोमल अहिरवार द्वारा दिनांक 12 अप्रैल 2024 से 18 अप्रैल 2024 के मध्य ग्राम पुराईनबंध में साथ मिलकर तीन अवयस्क बच्चों का सदोष परिरोध कर उनका दुव्यापार करने हेतु आपराधिक षडयंत्र करने,अवयस्क बच्चों

का व्यपहरण करने,उनका गुप्त रीति से सदोष परिरोध करने एवं अवयस्क बच्चियों को अयुक्त संभोग करने हेतु विवश या विलुब्ध करने के आशय से उन्हें विवाह करने हेतु लड़कों से मिलने के लिये उत्प्रेरित करने तथा अवयस्क बच्चों का सदोष परिरोध कर यह जानते हुये कि उनका शोषण किया जा सकता है मानव दुव्यापार करने के मामले में दिनांक 22 जुलाई 2025 को निर्णय पारित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के0 एल0 चरयाणी जी द्वारा सम्पूर्ण साक्ष्य विवेचना उपरांत यह स्पष्ट होना पाया कि अभियुक्त विमला ने अन्य अभियुक्त नीलू उर्फ ठुनी एवं कोमल अहिरवार के साथ मिलकर आपराधिक षडयंत्र रचा तथा उक्त आपराधिक षडयंत्र के पालन में अवयस्क पीड़ित बच्चों को अपने साथ बहला-फुसलाकर उनका व्यपहरण कर अपने साथ ले गयी और उनको नीलू और उनके पति कोमल के आधिपत्य में सौंप दिया जिन्होंने पीड़ित कमांक 1 को अवयस्क होने के बाद भी विवाह करने के लिये प्रलोभित किया और उसे देखने के लिये लड़के भी बुलाये थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा पाया गया कि यदि अवयस्क पीड़ित कमांक 1 का विवाह हो जाता तो निश्चित रूप से वह अयुक्त संभोग के लिये विवश की जाती, इस तरह तीनों अभियुक्त का अंततः आशय एवं उद्देश्य पीड़ित बच्चों का दुव्यापार कर उससे लाभ अर्जित किया जाना था।

माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश (एन.आई.ए.) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) पीठासीन अधिकारी श्री के0 एल0 चरयाणी जी द्वारा तीनों अभियुक्तगण द्वारा उपरोक्तानुसार अपराध में दोषसिद्ध घोषित कर दोषसिद्ध विमला यादव, नीलू उर्फ निर्मला नायक एवं कोमल अहिरवार को अपराध अंतर्गत धारा 363, 365 (जिसमें धारा 368 भा.दं. सं. का अपराध समाहित है) के तहत 3-3 वर्ष का कठोर कारावास एवं प्रत्येक को 1,000/- (एक हजार रुपये) का अर्थदंड, धारा 366क भा.दं.सं. के तहत 4-4 वर्ष का कठोर कारावास एवं प्रत्येक को 1,000/- (एक हजार रुपये) का अर्थदंड तथा उक्त अपराधों में अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने पर तीन-तीन माह का साधारण कारावास एवं धारा 370 भा.दं.सं. के तहत् 14-14 वर्ष का कठोर कारावास एवं प्रत्येक को 5000/- (पांच हजार रुपये) के अर्थदंड से तथा अर्थदंड की राशि अदा न होने पर छह माह का साधारण कारावास से दण्डित किया गया है। मानव तस्करी के इस जघन्य अपराध पर न्यायालय का यह निर्णय समाज के लिए एक सशक्त संदेश है कि बच्चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को कठोरतम दंड कार्रवाई की जाएगी।

वृद्धाश्रम निवासरत स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता के अंतिम संस्कार में शामिल हुए कलेक्टर, दी श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम,अजिरमा में रह रहे 67 वर्षीय निराश्रित वृद्ध स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता का आज निधन हो गया। मूलतः जौनपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी स्व. गुप्ता विगत लगभग 30 वर्षों से अम्बिकापुर में रहकर जीवन यापन कर रहे थे, पिछले 5 वर्षों से वृद्धाश्रम में निवासरत थे। उनके निधन की सूचना मिलने पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर स्वयं शंकरघाट पहुँचे और स्व. गुप्ता के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला प्रशासन की ओर से अंतिम संस्कार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई तथा कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वृद्धाश्रम में निवासरत अन्य बुजुर्गों की भी समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी,जनपद सीईओ अम्बिकापुर,वृद्धाश्रम स्टाफ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बुलेट को मारी टक्कर, दो युवक घायल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे-130 पर जजगा चिटकिपारा पुलिया के ऊपर खड़ी बुलेट को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बुलेट सवार युवक व किशोर घायल हो गए। घटना मंगलवार रात करीब 9.30 बजे की है। ग्राम सलका थाना उदयपुर निवासी राहुल दास (25), पिता प्रयाग दास, और विशाल दास (16), पिता राजू दास, पुलिया के ऊपर बुलेट पर बैठे थे। तभी तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों को चोटें आई है। स्थानीय लोगों ने घायलों को लखनपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।

खेत में करंट की चपेट में आने से दंपति की मौत,बेटे ने खेत में जाकर देखा दर्दनाक नजारा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़ेसा में मंगलवार को दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी की करंट लगने से मौत हो गई। दोनों खेत में धान का बीड़ा उखाडऩे का काम कर रहे थे,तभी पंप सेट के करंट की चपेट में आकर उनकी जान चली गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मिली जानकारी के अनुसार,ग्राम मुड़ेसा,आवाराडुगु निवासी 56 वर्षीय करीमन साय अपनी पत्नी दिलकुंवर के साथ दोपहर के समय खेत में धान का बीड़ा उखाडऩे गया था। खेत में नमी नहीं होने के कारण उन्होंने पंप चलाने के लिए घरेलू बिजली कनेक्शन से तार जोड़क़र मोटर चालू किया। इसी दौरान करीमन साय करंट की चपेट में आ गया। पास में मौजूद पत्नी दिलकुंवर जब पति को बचाने दौड़ी, तो वह भी पानी में प्रवाहित करंट के संपर्क में आ गई और वहीं गिर पड़ी। दोनों खेत में ही बेहोश पड़े रहे और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। शाम करीब 4 बजे उनका बेटा अजय सिंह, जो गांव में ही ट्रैक्टर से खेत जोत रहा था, घर लौटा। माता-पिता के घर में न मिलने पर वह खेत की ओर गया, जहां दोनों को अचेत अवस्था में देख वह घबरा गया। उसने तत्काल गांववालों और पुलिस को सूचना दी। गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे से गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था की लापरवाही को लेकर चिंता जताई है और किसानों के लिए सुरक्षित सिंचाई साधनों की मांग की है।

सूरजपुर पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बिहार से अपहृत बालक को किया दस्तयाब,समस्तीपुर रेलवे स्टेशन के पास ठेला पर फल बेचते मिला बालक

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

गुमशुदा नाबालिग बच्चों के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए इनकी खोजबीन हेतु विशेष अभियान ''ऑपरेशन मुस्कान'' चलाया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में सूरजपुर पुलिस ने 13 वर्ष से गुम नाबालिक अपहृत बालक को सूझबूझ व अच्छी पुलिसिंग के बदौलत बिहार के समस्तीपुर रेलवे स्टेशन से दस्तयाब किया है। दरसल दिनांक 09/08/2017 को थाना ओड़गी क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना ओड़गी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका 15 वर्षीय लड़का वर्ष 2012 से घर से बिना बताए कहीं चला गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर गुम इंसान कायमी उपरान्त धारा 363 भादवि का मामला पंजीबद्ध किया गया।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक-बालिकाओं के मामले को गंभीरता से लेते हुए

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को गुमशुदा एवं अपहरण के मामले में हर संभव प्रयास कर नई तकनीक की मदद एवं छोटी-बड़ी सुराग हासिल कर अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना ओड़गी पुलिस के द्वारा अपहृत बालक की लगातार खोजबीन की जा रही है कि किन्तु कोई सुराग हाथ नहीं लग रहा था इसी बीच थाना ओड़गी की पुलिस टीम अपहृत बालक के पिता को साथ लेकर बनारस, प्रयागराज के हास्पिटल,रेलवे-बस स्टेशन,आश्रम सहित विभिन्न स्थानों पर जाकर एवं टैक्सी चालकों को अपहृत बालक का फोटो दिखाकर पता तलाश किए किन्तु सफलता नहीं मिली। अपहृत की पतासाजी में पुलिस टीम बिहार के समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पहुंची जहां अपहृत बालक के पिता के द्वारा एक लड़का को ठेला में फल बेचते देख उसे अपने लड़के जैसा दिखना पुलिस टीम को बताये जाने पर सभी अपहृत बालक के पास पहुंचे जहां अपहृत बालक अपने पिता को देखकर पहचान लिया। बालक अपने घर से 13 वर्ष पहले निकला था जिसका कद-काठी और चेहरा बदल गया था। अपहृत बालक जो अब 25 वर्ष को हो चुका है उसे पुलिस टीम दस्तयाब कर वापस लेकर दिनांक 22/07/2025 को ओड़गी पहुंची। दस्तयाब किए गए गुम बालक को विधिवत उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया इस दौरान परिजनों के चेहरे में खुशी की लहर देखी गई और उनके द्वारा सूरजपुर पुलिस के प्रति आभार जताया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी ओड़गी फर्दीनंद कुजूर,एएसआई अमरेश सिंह,आरक्षक जितेन्द्र पटेल व अमरेन्द्र दुबे सक्रिय रहे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो ने बताया कि करीब 13 वर्ष पूर्व 15 वर्षीय अपहृत बालक घर से बिना बताए अपनी मर्जी से निकला था जो विभिन्न स्थानों पर मांग खाकर, आश्रम में रहकर जीवन यापन करते रहा और थोड़ा बड़ा होने पर ठेला में फल बेचने का काम करते रहा। बालक की खोजबीन में पुलिस टीम जैसे ही बिहार के समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पहुंची वहीं पास में ठेला में फल बेच रहे लड़के को देखकर उसके पिता के द्वारा पहचान कर पास जाने पर बालक भी अपने पिता को पहचान लिया। जिले की पुलिस प्रत्येक ऐसे मामलों पर संवेदनशीलता के साथ पतासाजी में लगी हुई है।

सूरजपुर पुलिस ने एनएच पर घुम रहे मवेशी के मालिकों के विरूद्ध की कार्यवाही

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

सड़क पर घूम रहे मवेशियों के मालिकों के खिलाफ सूरजपुर पुलिस ने कार्यवाही की है। यह कदम राष्ट्रीय राजमार्गो पर मवेशियों को खुला छोड़ने से होने वाली समस्याओं जैसे कि यातायात बाधित होना और दुर्घटनाएं को रोकने के लिए उठाया गया है। मवेशी मालिकों को मवेशी खुला ना छोड़ने की समझाईश का असर न होने एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर

अनाधिकृत रूप से पालतु पशु को छोड़ने पर थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा (1) अजय बरगाह उम्र 40 वर्ष निवासी भट्ठापारा सूरजपुर (2) नीरज चुटेल उम्र 35 वर्ष ग्राम पर्री कुशवाहापारा (3) प्रबंधक भगवती गौशाला चन्द्रशेखर वार्ड सूरजपुर (4) बद्री प्रसाद उम्र 48 वर्ष पता चन्द्रशेखर वार्ड सूरजपुर (5) ज्ञानचंद राजवाड़े उम्र 36 वर्ष गाम नमदगिरी के विरूद्ध सार्वजनिक सुरक्षा और बाधा उत्पन्न करने पर धारा 152 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही किया है। पुलिस ने मवेशी मालिकों को चेतावनी दी है कि वे अपने जानवरों को सड़कों पर न छोड़ें। यदि मवेशी सड़कों पर घूमते पाए जाते हैं, तो मवेशी मालिकों के विरूद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

नाबालिक को बहलाकर भगा ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा न्यायिक हिरासत में

-संवाददाता-
बलरामपुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने थाना कुसमी उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज दिया कि दिनांक 16.07.25 दिन बुधवार के 08:30 बजे उसकी नाबालिक बेटी अस्पताल जा रही बोलकर बस से सवार होकर गयी थी जो शाम 07:30 बजे तक घर वापस नहींआई। लड़की के नही आने पर आस पड़ोस, रिस्तेदारों में पता तलाश किये कही पता नही चला। प्रार्थी के द्वार अपनी अपनी रिपोर्ट में बताया कि मेरी नाबालिक बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसलाकर जबरन भगाकर ले गया है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना कुसमी में धारा- 137(2) बी.एन.एस.एस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया . विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विश्व दीपक त्रिपाठी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुसमी ईम्मानुएल लकड़ा अनुभाग कुसमी के निर्देशन में सायबर सेल से संदेही की टैनिकल जानकारी लेकर, संदेही शिशुपाल का लोकेशन अंबिकापुर पाय जाने पर तत्काल पुलिस टीम को अंबिकापुर रवाना किया गया। लाकेशन के आधार पर संदेही शिशुपाल को मिशन चौक अंबिकापुर में दबिश देकर पकड़ा गया जिसके पास से नाबालिक अपहृता को दस्तयाब किया गया। प्रकरण के आरोपी शिशुपाल कच्छप पिता जलसु कच्छप उम्र 18 वर्ष 03 माह निवासी भंवरमाल थाना रामानुजगंज जिला बलरामपुर रागंज छ.ग. को तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार करने पर दिनांक 23.07. 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।* उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि डाकेश्वर सिंह, प्र. आर. 206 श्यामलाल भगत्, प्र. आर 681 संजय साहू, आर.क. 745 देवेन्द्र भगत, म. आर. 909 कंचन पैकरा का सराहनीय योगदान रहा।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मजदूर की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम बेलखारी में मंगलवार की दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि इसका साथी गंभीर रूप से झूलस गया। दोनों रोपा लगाने गए थे। बारिश शुरू होने पर बचने के लिए पेड़ के नीचे बैठ थे। जानकारी के अनुसार मोहर लाल पंडो पिता राजकुमार पांडो (23) दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम घुई का रहने वाला था। वह मंगलवार को अपने साथी तेजू पंडो के साथ दूसरे गांव ग्राम बेलखारी में रोपा लगाने गया था। दोपहर में बारिश शुरू हो गई। दोनों बारिश से बचने के लिए पास के एक पेड़ के नीचे बैठे थे। तभी आकाशीय बिजली गिर गई और इसके चपेट में आने से मोहर लाल पंडो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इसका साथी तेजू गंभीर रूप से झूलस गया। जिसका इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है।

आश्रम में रहने वाले वृद्ध की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

शहर से लगे राघवपुरी अजिरमा में स्थित वृद्ध आश्रम में रहने वाले बीमार वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक जगदीश प्रसाद गुप्ता पिता स्व. बनारसी दास गुप्ता 65 वर्ष बीमार थे। इनके बच्चे व रिश्तेदार नहीं थे, जिस कारण आश्रम प्रबंधक ने उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 30 जून को भर्ती कराया था। 12 जुलाई को चिकित्सकों ने उनकी छुट्टी कर दी थी। 20 जुलाई की रात को वे आश्रम में ही पानी पीने के लिए जा रहे थे, इस दौरान गिरकर चोटिल हो गए थे। निजी वाहन से उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने शाम 6.50 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करजी में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन

विधायक श्री प्रबोध मिंज हुए शामिल,छात्रों को वितरित की गई शैक्षणिक सामग्री,विकास कार्यो की स्वीकृति

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करजी में आज शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्राचार्य श्री तेज कुमार कुजूर, वरिष्ठ व्याख्याता श्री ललन प्रताप सिंह एवं व्याख्याता श्री ए.एच. मनसूरी द्वारा विधायक का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विधायक श्री मिंज ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक कर उन्हें मिठाई खिलाई और निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, गणवेश व अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा विकास कार्यों की माँग विधायक महोदय के समक्ष रखी गई, जिसमें शामिल थे, वाटर कूलर (2 नग), बालक-बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय, प्रार्थना स्थल पर शेड निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु हॉल निर्माण, साइकिल स्टैंड की व्यवस्था जैसे मांग रखी गई। विधायक श्री मिंज ने सभी मांगों को सहर्ष स्वीकार करते हुए जल्द कार्य प्रारंभ करने का आश्वासन दिया एवं मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया। कार्यक्रम के पश्चात माँ के नाम एक पेड़ 2.0 अभियान के तहत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर, मंडल अध्यक्ष श्री राजू सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष गुरुशरण सिंह, डक्ब् अध्यक्ष श्री प्रेमचंद कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि श्री हिरालाल राजवाड़े, श्री मुकेश कुमार गिरि, श्री आशुमल गर्ग, पंच श्री जनार्दन कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

टेंडर रद्द कर सत्ता का दुरुपयोग कर रही निगम सरकार : शफी अहमद

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

नगर पालिका निगम अम्बिकापुर द्वारा 26 टेंडर निविदा तिथि के अंतिम दिन बैक डेट से कैंसल करने को लेकर निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने इसे शहर के साथ धोखाधड़ी बतलाया है। उन्होंने कहा कि निगम आयुक्त ने अपने अधिकार का दुरुपयोग करते हुए टेंडर कैंसल किया है। उन्हें इसका वाजिब कारण देना होगा। ऐसा लगता है कि अधिकारियों पर अनुचित राजनीतिक दबाव डालकर टेंडर को कैंसल कराया गया है क्योंकि इस टेंडर से भाजपाई लाभान्वित नहीं हो रहे थे। ट्रिपल इंजन के विकास की रफ्तार की बात कर भाजपा भारी बहुमत से नगर निगम अम्बिकापुर में काबिज हुई लेकिन विकास होने के बजाय वास्तव में ट्रिपल इंजन की रफ्तार से शहर में बदहाली फैल गई है। 26 जून को नगर निगम द्वारा 3.34 करोड़ के सीसी रोड, नाली और पैच रिपेयरिंग का टेंडर जारी किया था। इसकी निविदा प्राप्ति की तिथि 23 जुलाई थी जबकि निविदा खुलने की तिथि 25 जुलाई थी। इस निविदा प्रकाशन के उपरांत नगर निगम अम्बिकापुर ने 6 लाख 81 हजार रुपए के 900 निविदा फार्म बेच दिये थे। अचानक 23 जुलाई को निगम आयुक्त ने बिना वाजिब कारण

बताए निविदा को निरस्त कर दिया है। निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी घोषणा अनुसार शहर की सडक़ों को सुधारने के लिए 20 करोड़ की राशि आज तक जारी नहीं कर पाए। निगम बरसात के पूर्व भाजपा शासित निगम द्वारा किसी भी प्रकार के एहतियात कदम नहीं उठाये गए। निगम शहर के सडक़ों पर बने गड्ढे में मालवा तक नहीं डलवा पा रही है। शफी अहमद ने कहा कि अम्बिकापुर शहर की जो दुर्गति पिछले 5 माह में हुई है उसे ट्रिपल इंजन की सरकार 1 सप्ताह में सुधरे अन्यथा 1 सप्ताह बाद कांग्रेस आंदोलन करेगी। प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक,विनोद एक्का, संजय सिंह,पापिन्दर सिंह,शंकर प्रजापति, लोकेश पासवान,चंद्रप्रकाश सिंह,रजनीश सिंह,धर्मेंद्र ताम्रकार,शुभम जायसवाल,नरेंद्र विश्वकर्मा, अविनाश कुमार,मिथुन सिंह,दिनेश शर्मा,अमित सिन्हा आदि मौजूद थे।

पुरुस्कार हमारे कार्यकाल की उपलब्धि

नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने स्वच्छता सुपर लीग में अम्बिकापुर के प्रथम आने पर नगरवासियों को इसकी बधाई दी और कहा कि यह अम्बिकापुर शहर के नागरिकों के सामुहिक प्रयास से प्राप्त उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से 2024 तक के सर्वे के आधार पर यह उपलब्धि हासिल हुई है और इस दौर में निगम का नेतृत्व कांग्रेस के पास था। इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने निगम में कार्यरत स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मचारियों के योगदान को दिया है। उन्होंने कहा है कि इस उपलब्धि को बनाये रखने की जवाबदेही अब निगम का नेतृत्व कर रही भाजपा के हाथ मे है लेकिन इनके प्रशासन के शुरुआती दौर के लक्षण सशंकित कर रहे हैं।

देवगढ़ धाम में डीजे पर नाचते समय विवाद, युवक की पिटाई का वीडियो वायरल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत देवगढ़ धाम शिव मंदिर के सामने डीजे पर नाचते समय मंगलवार को मामूली धक्का-मुक्की के बाद बड़ा विवाद हो गया। नशे में धुत चार-पांच युवकों ने मिलकर एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, शिव मंदिर के सामने धार्मिक आयोजन के दौरान डीजे बजाया जा रहा था, जिसमें कई युवक नाच रहे थे। इसी बीच डांस के दौरान कुछ युवकों के बीच हल्की धक्का-मुक्की हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। नशे में चूर युवकों ने एक युवक को पकडक़र लात-घूंसों और डंडों से पीटना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर पीड़ित युवक को बचाया और अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत सरगुजा संभाग के जिले सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु प्रथम चरण अंतर्गत दस्तावेजों की जांच, शारीरिक माप एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा उपरांत आगामी चरण में लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुज़ा एवं अध्यक्ष चयन समिति ने बताया कि लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची छत्तीसगढ़ पुलिस की अधिकृत वेबसाईट तथा सरगुजा ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट में अपलोड किया जा रहा है। सूची सरगुजा संभाग के समस्त जिलों के पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं कंट्रोल रूम में उपलब्ध है।

12 पाव अंग्रेजी शराब सहित 1 गिरफ्तार,थाना चंदौरा पुलिस की कार्यवाही

-संवाददाता-
सूरजपुर, 23 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में दिनांक 22.07.2025 को थाना चंदौरा पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि घाट पेण्डारी स्थित कावेरी ढ़ाबा में अवैध शराब रखकर बिक्री की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके के मार्गदर्शन में थाना चंदौरा पुलिस मौके पर पहुंची और देवनारायण यादव पिता राम मूरत यादव उम्र 55 वर्ष निवासी घाट पिंडारी के

कब्जे से 12 पाव अंग्रेजी शराब कीमत 2390 एवं शराब बिक्री की रकम 1 हजार रूपये जप्त कर धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चंदौरा मनोज सिंह, एएसआई नील कुसुम बेक,सुनील भारती,प्रधान आरक्षक शैलेश सिंह,आरक्षक रविन्द्र जायसवाल व सूरज पाटिल सक्रिय रहे।

अशफाक के बाद अब संजीत भी सलाखों के पीछे?

1 साल बाद सूरजपुर का दूसरा ठग संजीत अग्रवाल हुआ गिरफ्तार

करोड़ों रुपए लोगों से ठगकर फरार था संजीत शेयर मार्केट के नाम पर लिया था पैसा 90 दिन में डबल करने दी थी गारंटी

शेयर मार्केटिंग के आड़ में संजीत ने किया करोड़ों की ठगी...

दैनिक घटती घटना ने सूरजपुर के दो ठगों को लेकर पहले ही अंदेशा जताया था और एक पहले से ही जेल में है अब दूसरा भी जेल में रहेगा

सितंबर 2024 में पहली बार संजीत अग्रवाल के खिलाफ 40 लाख के ठगी की हुई थी शिकायत,पर नहीं हो पाई थी गिरफ्तारी

संजीत अग्रवाल ने इम्तियाज़ खान से ठगा 40 लाख...संजीत के पिता व भाई भी थे ठगी में शामिल

क्या दो ठगों के चक्कर में इस तरह फंसे लोग की हो गए कंगाल?

ठगों ने कर्मचारियों से भी करवाया एक ठगी एक महीने में चार बैंकों से दिलवाया लोन

शासकीय कर्मचारियों ने बैंक से कर्ज लेकर ठगों को सौंपा लाखों...नहीं पटा पा रहे अब बैंकों का वह कर्ज

-शमरोज खान-

सूरजपुर, 23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

अशफ़ाक उल्लह सूरजपुर जिले में सबसे बड़ा ठग था उसके बाद दूसरा ठग संजीत अग्रवाल निकला, जबकि अशफ़ाक उल्लाह की गिरफ्तारी 10 महीने पहले हो गई थी पर संजीत पुलिस की गिरफ्तार से बाहर था शिकायत के एक साल बाद पुलिस ने संजीत अग्रवाल को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है बताया जा रहा है कि संजीत अग्रवाल को पुलिस ने बिलासपुर से गिरफ्तार किया है और संजीत को न्यायालय पेश किया गया। सवाल यह है कि संजीत की गिरफ्तारी में आखिर पुलिस को इतना लंबा समय क्यों लग गया?

बता दे की रकम डबल करने व 12 प्रतिशत की दर से प्रतिमाह ब्याज राशि देने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी संजीत अग्रवाल को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार,स्थानीय एक निवासी ने थाना सूरजपुर में दिनांक 21.07. 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि संजीत अग्रवाल के द्वारा शुभ निवेश कोचिंग सेन्टर चलाने के दौरान माह अप्रैल-मई 2024 में यह स्टॉक मार्केट का क्लास करता था इसी दौरान संजीत अग्रवाल द्वारा इसे प्रलोभन दिया कि 10 लाख रूपये लगाने पर हर महीने 12 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि दिया जायेगा तथा अंत में मूल रकम वापस कर दिया जायेगा, जिसके झांसे में आकर यह दिनाँक 12/04/2024 को अपने एसबीआई खाता से संजीत अग्रवाल के खाता 10 लाख रूपये दिया। इसके कुछ दिन बाद पुनः 90 दिन में रकम दुगुना करने का प्रलोभन दिया गया जिस कारण यह पुनः 11 लाख रूपये संजीत अग्रवाल के खाता में दिया इसके बदले में संजीत अग्रवाल के द्वारा इसे अपने बैंक खाता का एक 10 लाख और एक 11 लाख रूपये का चेक दिया। 90 दिन की अवधि पूर्ण होने पर जब यह संजीत से पैसा की मांग किया तो यह बार बार टाल मटोल करने लगा और इसके बाद संजीत अग्रवाल अपने मोबाइल फोन को बंद करके फरार गया। संजीत अग्रवाल अपना कोचिंग सेन्टर को भी बंद कर दिया। संजीत अग्रवाल के द्वारा 12 प्रतिशत ब्याज प्रति माह व रकम दोगुना करने का झांसा देकर कुल 21 लाख रूपये का ठगी किया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 365/25 धारा 420 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने प्रकरण के आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन कर प्राप्त सूचना के आधार पर बिलासपुर में दबिश देकर आरोपी संजीत अग्रवाल पिता कन्हैयालाल अग्रवाल उम्र 35 वर्ष निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने धोखाधड़ी को अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपी को 3 दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। प्रकरण के आरोपी के विरूद्ध पूर्व में 40 लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी करने का भी अपराध पंजीबद्ध हो चुका है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एसआई अश्विनी पाण्डेय,प्रधान आरक्षक योगेन्द्र भगत, आरक्षक रविराज पाण्डेय,दशरथ राम,सोनू सिंह सक्रिय रहे।

आखिर लोगों का पैसा निवेश करने का अधिकार किसने दिया? कहां से इन्होंने मान्यता प्राप्त की...?

ठगने वाले जिस तरह से लोगों को लाभ व लालच देकर सोशल मीडिया में अपना प्रचार प्रसार करके वह कई लोगों को लाभ पहुंचाने का उदाहरण प्रस्तुत करके निवेश के नाम पर ठग रहे थे और उनका पैसा कुछ दिनों में ही दुगना करने का दावा कर रहे थे,आखिर इन्हें यह पैसा निवेश करने की मान्यता किसने दी थी? आखिर किस कानून के तहत यह पैसा निवेश कर रहे थे? यह अब जांच का विषय हो चला है वह इसलिए भी हो चला है क्योंकि अब मामला पुलिस के पास अपराध दर्ज हो गया है और पुलिस के लिए यह भी अब पता करना उतना ही जरुरी हो गया है कि आखिर यह लोग पैसे का निवेश नियम से कर रहे थे या फिर नियम विरुद्ध तरीके से कर रहे थे? और यदि नियम विरुद्ध तरीके से कर रहे थे तो आखिर कहां कर रहे थे? सट्टा व जुआ खेल रहे थे या फिर कोई और अवैध काम कर रहे? यदि सूरजपुर पुलिस पूरे मामले को निष्पक्ष जांच करके लोगों के सामने रखती है तो सूरजपुर पुलिस की भी एक बड़ी उपलब्धि होगी और लोगों को भी यह पता चलेगा कि आखिर यह दोनों ठग निवेशकों को ठग कर आखिर करना क्या चाहते थे और क्या हासिल किया और क्यों लोगों को इन्होंने कंगाल किया?

ठगी के मामले में असफाक व संजीत ने नटवरलाल को भी पीछे छोड़ा...

ठगी मामले में आज तक नटवरलाल को ही बादशाहत हासिल है क्योंकि वह ठगी के बाद भी न पकड़े जाने के लिए प्रसिद्ध था। अब सूरजपुर जिले के असफाक और संजीत भी नटवरलाल बनने की ओर अग्रसर थे, क्योंकि उन्हे यह आभास था की उन्हे कोई नहीं पकड़ सकता, क्योंकि कोई शिकायत ही नहीं करेगा और अपना पैसा वापस मिलेगा इस आस में वह बैठे रहेंगे। वही ज्यादातर लोग जो दोनो से ठगी का शिकार हुए हैं वह इस इंतेजार में बैठे थे पर जैसे ही सब्र टुटा शिकायत की लाइन लग गई, एक की गिरफ्तारी भी हो गई, संजीत की गिरफ्तारी का इंतजार है।

असफाक व संजीत से आर्थिक नुकसान का झटका खाने वाले न घर के रहे और न घाट के

असफाक उल्लाह और संजीत ने कई लोगों को जिनकी संख्या सैकड़ों में भी हो सकती है वहीं कई सैकड़े हो सकती है ऐसा बताया जा रहा है को आर्थिक नुकसान बड़े आर्थिक नुकसान की ओर धकेल दिया है। पैसा दुगुना करने के नाम पर लाखों लेकर दोनों ने लोगों को ऐसा चुना लगाया की अब पैसा देने वाले लोग न घर के हैं न घाट के,इसका आशय इस तरह समझा जा सकता है की वह शिकायत कर असफाक और संजीत को कानूनी उलझनों में जरूर कुछ दिनों के लिए डाल सकते हैं लेकिन इससे भी उनको कोई लाभ नहीं होना है क्योंकि उनका लाखों डूबना तय है वहीं उन्हे यह मालूम होते हुए भी की अब उनका पैसा उन्हे नहीं मिलना है वह शिकायत दर्ज करने से बच रहे हैं और इसके पीछे की वजह एक ही है वह है की ठग बाहर रहेगें तो उनका पैसा उन्हे मिल सकता है वैसे यह भी उनकी कल्पना मात्र है इसलिए वह मौन हैं। खैर सब कुछ जानकर भी अनजान बनना ही असल मायने में ऐसे ठगों के लिए वरदान साबित होता है और ठगे जा चुके लोग न घर के रह जाते हैं न घाट के।

संजीत ने कई बार बदला ऑफिस नाम

क्या संजीत अग्रवाल शेयर मार्केट के आड़ में लोगों को ठग रहा था? एक आलीशान ऑफिस बनाकर क्या लोगों को यह विश्वास दिला रहा था कि वह शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा है पर सवाल यह भी है कि आखिर शेयर मार्केट में ऐसा कौन सा प्रॉफिट हो रहा था कि वह 20 प्रतिशत अपने निवेशकों को दे रहा था और जब उसको शेयर मार्केट में इतना प्रॉफिट हो रहा था तो फिर 24 महीने से फरार था, ऑफिस में भी ताला लगा हुआ है थक कर ठगी के शिकार हुए लोग पुलिस के पास पहुचे समय-समय पर ऑफिस का नाम भी बदलता था कई बार ऑफिस का नाम बदल चुका है अभी जो वर्तमान में उसके ऑफिस का नाम स्टॉक सॉल्यूशन रखा गया था जो अंबिकापुर में होली क्रॉस के सामने था।

ट्रेडिंग कंपनी शेयर मार्केट में 72 दिनों में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर संजीत ने प्रार्थी से ठगा था 40 लाख...

ठगी के एक और मामले में कोतवाली पुलिस ने पिता पुत्र समेत तीन पर अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इम्तियाज खान ने आरोप लगाया है कि संजीत अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल ने दिनांक 12 मार्च 2024 में रकम 72 दिनों में दोगुना करने का प्रलोभन देकर 40 लाख रूपये का ठगी किया था। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। शिकायतकर्ता ने कहा शिकायत में बताया कि रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 40 लाख रूपये की ठगी मेरे से संजीत व उसके परिवार के सदस्यों किया है।

पुलिस को सबसे पहले तो यह जानना होगा कि आखिर लोगों से ठगे हुए करोड़ों की राशि कहां खर्च की गई?

पुलिस भले ही शिकायत पर अलग-अलग अपराध दर्ज कर ली है पर इन दोनों शिकायतों व मामलों के आधार पर पुलिस बड़े घोटाले का भंडाफोड़ कर सकती है यह बड़ा घोटाला इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह घोटाला कम से कई करोड़ का मान जा रहा, आखिर यह दोनों ठगों ने इतना पैसा यदि लिया तो इन पैसों का उन्होंने किया क्या? आखिर यह पैसा वह कहां निवेश कर रहे थे? क्या लोगों को ठगने वाले खुद ठगा गए? या फिर सारा पैसा अंदर कर कुंडली मारकर बैठे हैं? या सारा पैसा ऐसो आराम में खर्च कर दिया? तमाम तरह के सवाल हैं जिसका पुलिस को जवाब भी इन ठगो से ही मिलेगा, इसके लिए पुलिस को कड़ा रुख अपनाना पड़ सकता है ताकि आने वाले समय में ऐसे ठगों से लोगों को बचाया जा सके।

पहले झाड़ू लगाना शर्म की बात मानी जाती थी,पर आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में स्वच्छता अभियान जन-आंदोलन बन गया:मंत्री

अब लोग स्वेच्छा से सफाई करते हैं और सोशल मीडिया में झाड़ू के साथ सेल्फी डालते हैं...

स्वच्छता दीदियों का सम्मान के साथ चिरमिरी को देश के सर्वोच्च पायदान में पहुंचाने का लिया गया संकल्प

सफाई कर्मियों के बदौलत ही चिरमिरी को मिली है राष्ट्रीय पहचान:स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

2014 में लाल किले से स्वच्छता पर मोदी जी का दिया नारा आज बना जन-जन का नारा

हमारे पूर्वजों ने बताया है कि जहां सफाई नहीं वहां लक्ष्मी का वास नहीं:श्याम बिहारी जायसवाल

हमारे पूर्वजों ने बताया है कि जहां सफाई नहीं वहां लक्ष्मी का वास नहीं होता है,इसका मतलब है कि हजारों सालों से स्वच्छता हमारे जीवनकाल का इतिहास रहा है। हमारे देश के महापुरुषों में महात्मा गांधी जी ने भी स्वच्छता के लिए अभियान चलाया,वो सपनो में स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार होते देखा था लेकिन वर्तमान युग में गांधी जी के सपनों को अगर किसी ने साकार करने का काम किया है तो वो है मोदी जी। 2014 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने सबसे पहला काम लाल किले से घर घर शौचालय और स्वच्छ भारत अभियान का नारा दिया, लोग बोलते थे कि इतने छोटे से बात को लाल किला से बोलने की क्या जरूरत थी तो आप सब सुने ये कोई छोटा बात नहीं था। हमारी माता बहने शौचालय जाने के लिए शाम का इंतजार करतीं थी और दिन में अगर शौचालय जाने की जरूरत पर असहनीय पीड़ा को झेला करती थी कब शाम हो तो वे शौचालय जाए। उक्त बाते प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने मालवीय नगर मंगल भवन में आयोजित स्वच्छता दीदियों के सम्मान समारोह में मंच से कही।

पहले झाड़ू लगाना शर्म की बात समझा जाता था,लोग छिप कर झाड़ू लगाया करते थे...

स्वास्थ्य मंत्री व मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता को लेकर मुहिम चलाया गया जिसका असर आप लोग भी देख ही रहे होंगे। पहले झाड़ू लगाना शर्म की बात समझा जाता रहा है,लोग छिपकर झाड़ू लगाया करते थे कोई देख ना ले लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री झाड़ू लेकर उतरे तो पूरे देश के हाथ में झाड़ू दिखाई देने लगा,क्या मंत्री,क्या विधायक या क्या अधिकारी सभी ने स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में जुट गए और उसका नतीजा यह हुआ कि अब झाड़ू लेकर सेल्फी ली जा रही है, सोशल मीडिया में पोस्ट डाले जा रहे है और तो और अब लोग अपने आस पास के अलावा कई ऐसे स्थानों का चयन स्वच्छता के लिए कर रहे है जो सामुदायिक हो, शासकीय हो,तालाब हो,और वहां सफाई अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने में जुटे है तो ये वही छोटी सी बात मोदी जी की रही जो एक दिन में नहीं हुआ सालों लगा, लेकिन हम कामयाब हुए। कार्यक्रम में चिरमिरी को आने वाले वर्षों में देश के शीर्ष 10 स्वच्छ शहरों में शामिल करने का लक्ष्य भी रखा गया।

-रवि सिंह-

चिरमिरी, 23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पूरे देश के नगर निगमों के जनप्रतिनिधियों का सम्मान हो सकता है तो जिनके बदौलत यह सम्मान मिलता है उनके लिए चिरमिरी के मेयर, पार्षद, एमआईसी और मंडल के पदाधिकारियों ने निर्णय लेकर आज इस मंच के माध्यम से स्वच्छता दीदियों का सम्मान करने कार्यक्रम चिरमिरी के मंगल भवन में आयोजित किया। एक रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में चिरमिरी 60 वे पायदान पर है यह अच्छी बात है कि इतने बड़े देश में चिरमिरी नगर निगम का भी स्थान है लेकिन इसे बेहतर से बेहतर बनाकर सुंदर चिरमिरी सुघर चिरमिरी और स्वच्छ चिरमिरी बनाना है जिसमें स्वच्छता दीदियों, भाइयों का विशेष योगदान रहता है। हमारे देश की पुरानी परंपरा रही है कि हम स्वच्छता के लिए जागरूक रहे। स्वच्छता दीदियों के सम्मान समारोह की शुरुआत भारत माता के छायाचित्र में दीप प्रज्वलित कर किया गया इसके बाद मुख्य अतिथि के साथ मंचासिन अतिथियों के सम्मान का सिलसिला चला इसके बाद क्षेत्र के समस्त स्वच्छता दीदियों,भाइयों को मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के हाथों श्रीफल, प्रमाण पत्र और बरसात से बचाव के लिए छाता भेट किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों, नगर निगम अधिकारियों और स्वच्छता कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई कि वे शहर को स्वच्छता की दृष्टि से देश के सर्वोच्च पायदान पर पहुंचाएंगे। समारोह में उपस्थित जनों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम स्वच्छता कर्मियों का मनोबल बढ़ाते हैं और समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी फैलाते हैं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थित समस्त निकाय के अधिकारियों,कर्मचारियों,जनप्रतिनिधियों तथा स्वच्छता दीदियों,भाइयों को आने वाले साल में चिरमिरी को स्वच्छता के उस पायदान में पहुंचाने की शपथ दिलाई की देश के महामहिम राष्ट्रपति के हाथों चिरमिरी नगर निगम स्वच्छता के रूप में सम्मानित होने का गौरव हासिल कर सके। उक्त कार्यक्रम में नगर निगम के मेयर राम नरेश राय, आयुक्त आर पी आंचला,सभापति संतोष सिंह, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर,पूर्व नपा अध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा,विधायक प्रतिनिधि राजू नायक,वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारिका जायसवाल समेत भाजपा की महिला मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता, निगम के अधिकारी कर्मचारी, पार्षद और एमआईसी सदस्य तथा स्वच्छता दीदियों का दल मौजूद रहा।

पुलिसकर्मियों पर गश्त के दौरान लुट का लगा आरोप,आरोप सही तो क्या रक्षक बने भक्षक?

रात्रि गश्त क्या आम लोगों को लूटने के लिए एक नायाब तरीका,आरोप सही तो मामला काफी गंभीर

-संवाददाता-

एमसीबी/चिरमिरी,23 जुलाई 2025(घटती-घटना)।

क्या रक्षक ही भक्षक बन गए हैं? क्या पुलिस की रात्रि गश्त आम लोगों को लूटने का एक नायाब तरीका? ऐसे सवाल इसलिए क्योंकि नवीन जिले एमसीबी के नगर निगम चिरमिरी के कोरिया कॉलरी वार्ड निवासी गोपाल महराज नाम के व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक एमसीबी को एक शिकायत पत्र प्रेषित किया है जिसमें उन्होंने इस बात का उल्लेख किया है उनके साथ जिले के पोड़ी पुलिस थाने के दो पुलिसकर्मियों ने मारपीट भी की है और उनके द्वारा उनके पास रखे गए पैसे की भी लूटपाट की गई है एटीएम भी छीन लिया गया है और इन घटनाओं के समय उन्होंने एक विरु नाम के व्यक्ति को भी साथ रखा था उसने भी मारपीट की थी,यह घटना उसके साथ रात के समय घटित हुई है जब वह एक ढाबे से खाना खाकर लौट रहा था और घर जा रहा था और तब पुलिसकर्मी रात्रि गश्त पर थे और वह कहीं न कहीं असामाजिक या अपराधी तत्व से आम लोगों की हिफाजत के लिए

तैनात थे और वह काम उसके विपरीत करते हुए आम आदमी को ही लूट रहे थे। कोरिया कॉलरी निवासी गोपाल महराज ने शिकायत पुलिस अधीक्षक सहित पोड़ी पुलिस थाना प्रभारी से तो की ही है उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री सहित पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों से भी शिकायत की है। अब देखना है कि इस मामले में दोषी पुलिसकर्मियों पर क्या कार्यवाही होती है और क्या इस मामले में पुलिस मामला जांच में डालकर मामले को निपटाने का प्रयास करती है अपनी छवि बिगड़ने से बचाने का वह प्रयास करती है,वैसे पुलिस विभाग के मामले में जांच और जांच के नाम पर मामले को दबाने का पूरा खेल आम है और चूंकि पुलिस की जांच पुलिस करती है इसलिए कार्यवाही होगी यह बिल्कुल तय नहीं है। शिकायतकर्ता गोपाल महराज ने शिकायत में इस बात का भी उल्लेख किया है कि पुलिस वालों के साथ जो युवक था वह खुद को सांसद प्रतिनिधि बता रहा था और सभी मिलकर शिकायतकर्ता को पैसा नहीं देने पर गांजा,शराब या अन्य किसी मामले में फंसाने की बात भी कर रहे थे।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री सहित पुलिस के आला अधिकारियों को लिखित शिकायत की शिकायतकर्ता ने...

शिकायतकर्ता चिरमिरी कोरिया कॉलरी निवासी गोपाल महराज ने शिकायत में यह बात लिखी है कि वह रात 11:30 बजे अपने ऑफिस से काम निपटाकर और एक ढाबे में खाना खाकर वापस घर लौट रहा था,इसी दौरान जब वह जगन्नाथ मंदिर के पास पहुंचा तब उसे दो पुलिसकर्मी मिले जिन्होंने उसे रोक लिया और पूछताछ करने लगे,उनके द्वारा पूछे सवालों के उसने सही जवाब दिए और बियर पीने की बात भी उसने स्वीकार की,पुलिसकर्मियों ने उसके साथ गाली गलौज की अपशब्द कहे और पैसे की मांग की और कई एटीएम भी उसे लेकर गए जहां पैसा नहीं निकला जबकि पुलिसकर्मी तीन हजार की मांग कर रहे थे,इस बीच पुलिसकर्मियों ने हल्दीबाड़ी निवासी विरु खान को बुलाया और जिसने शिकायतकर्ता का हांथ मरोड़ा,हांथ मरोड़कर तीनों ने उसके साथ मारपीट की और उसे झूठे मामले में फंसाने की बात भी की,इस दौरान उसकी जेब से उन्होंने 20000 रुपए भी निकाल लिए और उसका एटीएम कार्ड भी अपने पास रख लिया। शिकायतकर्ता ने यह भी लिखा है शिकायत में की उसे पोड़ी पुलिस थाने की पुलिस पर भरोसा नहीं है इसलिए वह कई जगह शिकायत लिखकर भेज रहा है और कार्यवाही की मांग कर रहा है।

क्या पुलिस के नाकेबंदी और गश्त अभियान के पीछे का उद्देश्य अवैध वसूली लूटपाट?

चिरमिरी कोरिया कॉलरी के गोपाल महराज की शिकायत यदि सही है तो क्या पुलिस की नाकेबंदी और गश्त अभियान केवल अवैध वसूली और लूटपाट के लिए एक माध्यम है,गोपाल महराज ने शिकायत में मारपीट और गाली गलौज का भी आरोप लगाया है और इससे यह भी सवाल उठता है कि क्या गश्त और नाकेबंदी आम व्यक्ति में ही भय उत्पन्न करने के लिए एक अभियान है,पुलिस की कार्यप्रणाली और ऐसे मामले जो शिकायत स्वरूप सामने आ रहे हैं उससे पुलिस की छवि धूमिल हो रही है।

अजय कुमार मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी एमसीबी का हुआ सम्मान

-संवाददाता-

खड़गवां,23 जुलाई 2025(घटती-घटना)।

महेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के प्रथम जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा की पदोन्नति सहायक संचालक के पद पर संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग अंबिकापुर में होने के फल स्वरुप दिनांक 19 जुलाई 2025 को विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय खड़गवां में सम्मान समारोह का आयोजन कर विकास खंड खड़गवां शिक्षा विभाग की ओर से सम्मानित किया गया अजय कुमार मिश्रा नवगठित जिला एमसीबी के प्रथम जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे इस सम्मान समारोह में अजय कुमार मिश्रा के द्वारा अपने कार्यकाल 2 वर्षों में शिक्षा संबंधी किए गए विभिन्न कार्यों की चर्चा की गई एवं श्री मिश्रा के द्वारा लगभग 2 वर्षों में नवगठित जिला मनेद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर रहते हुए अधोसंरचना मूलभूत सुविधाओं की चुनौतियों के बीच जिले में शिक्षा गुणवत्ता के लिए किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में विकासखंड खड़गवां के विकासखंड शिक्षा अधिकारी बलविंदर सिंह,सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार पांडे, खंड स्त्रोत समन्वयक ओम शंकर सिंह, प्राचार्य सेजस चिरमिरी डॉ डी.के. उपाध्याय प्राचार्य बरदर ए.के. नाग प्रभारी प्राचार्य सेजस खड़गवां प्रमोद पांडे प्रभारी प्राचार्य डोमनहिल मिहनाज अंसारी, प्रभारी प्राचार्य हल्दीबाड़ी चंदन दत्त, प्रभारी प्राचार्य ठग्गांव नीतू श्रीवास्तव, राकेश सिंह व्याख्याता, अंकुर लाहिड़ी व्याख्याता, प्रदीप तिवारी प्रधान पाठक, जितेंद्र सिंह प्रधान पाठक, मंडल संयोजक सुजीत कुमार साहू, रामखेलावन विश्वकर्मा सहायक शिक्षक एवं विकासखंड के समस्त सीएससी जय राम भगत, विमल सरदार, शंभू सिंह, सुग्रीव साहू, पुष्पराज पटेल, अनोज सिंह, के. एल.रवि, सुधीर कुजूर, रामानुज लाल गुप्ता, ज्वाला प्रसाद गुप्ता, शिवमंगल सिंह, राम प्रकाश साहू, मुकुंद देव पांडे, लकेश कुमार, प्रवेश कुमार, देव कुमार, संतोष शर्मा, ईश्वर साहू, हरी लाल यादव , पन्नू लाल साहू, मोहनलाल बंजारे, छतलाल प्रजापति, घनश्याम यादव, विजय नेताम, सुनीत जायसवाल, जय प्रताप सिंह, लवकुश मिश्रा, वंश लाल सिंह, ईश्वर तंवर एवं कार्यालयीन स्टाफ में बुधनाथ राम मिंस, संजू, घनश्याम पटेल, प्रीतेश्वर सिंह, ज्योति सिंह, ताराचंद यादव, घनश्याम पाण्डेय, अजय कुमार, राजेंद्र सिंह, सुदेश, प्रमिला, राधा सिंह, संध्या, सदाशिव यादव कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0../अ-2 /2024 25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रतिमा गुप्ता पत्नी अरविन्द गुप्ता जाति हलवाई निवासी केदरपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 68 / 9 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 11/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा).अम्बिकापुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा में 24 जुलाई को आयोजित होगा निःशुल्क कैंसर जॉच एव परामर्श शिविर

-संवाददाता-

कोरबा,23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग कोरबा एवं बालको मेडिकल सेंटर, नया रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में 24 जुलाई 2025 को प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक सामु.स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा में निःशुल्क कैसर जॉच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा । इस शिविर में विश्व स्तरीय कैंसर विशषज्ञों द्वारा जॉच एवं परामर्श दिया जावेगा। तथा मेमाग्राफी मशीन, मुख कैसर परीक्षण (ब्रश साईटोलॉजी), स्त्री कैंसर रोग संबंधी परीक्षण (पेप स्मीयर) सेवायें उपलब्ध होंगी। मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस.एन.केशरी ने बताया कि किसी भी महिला या पुरूष में लक्षण दिख रहे हैं जैसे स्तन में गॉठ, मुंह में अल्सर या गले में गॉठ, मल या मूत्र विसर्जन की आदतों में परिवर्तन,थकान व वजन में अनापेक्षित बदलाव, लगातार खांसी या सांस लेने में तकलीफ,खून की कमी,सिकलसेल एनीमिया,थैलेसिमिया,रक्त संबंधित बिमारियां, निगलने में कठिनाई या आवाज में बदलाव,रक्तस्त्राव या चोट न भरना,रजोनिवृत्ति के बाद रक्त जाना या असामान्य मासिक धर्म होना ये कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। कलेक्टर अजीत वसंत तथा मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने जिले के लोगों से अपील किया है कि जिस किसी व्यक्ति में उपरोक्त लक्षण दिखाई दे रहे हैं वे उक्त शिविर में उपस्थित होकर अधिक से अधिक संख्या में जॉच कराए।

साइबर सेल कोरबा द्वारा CEIR पोर्टल के जरिए खोए हुए 122 मोबाइल को किया गया वापस

-संवाददाता-

कोरबा,23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री एवं साइबर सेल प्रभारी विमल पाठक के मार्गदर्शन में,साइबर सेल कोरबा की टीम ने गुम हुए मोबाइलों का पता लगाकर विभिन्न जिलों से उन्हें बरामद किया। इस अभियान में उनि अजय सोनवानी और साइबर सेल टीम का विशेष योगदान रहा।

पुलिस द्वारा 122 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद करके उनके मालिकों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में सौंपे गए। बरामद मोबाइलों का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 18,50,000/- है। पिछले 6 महीनों में साइबर सेल कोरबा द्वारा कुल 200 गुम हुए मोबाइल फोन ट्रैक करके उनके असली मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। पुलिस द्वारा किया गया यह पहल आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने और पुलिस पर भरोसा मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोरबा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर किसी का मोबाइल फोन खो जाए या चोरी हो जाए, तो वे तुरंत CEIR पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करें या नजदीकी थाने/साइबर सेल को सूचित करें,ताकि तकनीकी सहायता से जल्द से जल्द मोबाइल बरामद किया जा सके।

कार्यालय सेनानी 18वीं (वि. भा. र) वाहिनी छ. स. बल मनेन्द्रगढ़,जिला एम0सी0बी0 (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक-सेनानी 18वी बटा / छसबल / सा. अ. / निविदा N-1 /2025, दिनांक- .07.2025

छ0ग0 शासन की ओर से लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त क्षेत्री के पंजीकृत ठेकेदार से प्रतिशत दर पर छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी भवन कार्य के एस. ओ. आर. 01.01.2015 के आधार पर निम्नलिखित तिथि को अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा कार्यक्रम:-

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि - 04 अगस्त 2025 सायं 05.30 बजे तक
02. निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि - 05 अगस्त 2025 सायं 05.30 बजे तक
03. निविदा खुलने की तिथि - 06 अगस्त 2025 सायं 03.00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख में)	स्वीकृत मद का नाम	अमानत राशि (टी.डी.आर. में)	प्रपत्र का मूल्य	सक्षम ठेकेदार	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	शस्त्रागार / आरमोररी वार्कशॉप एवं गार्ड रूम के चारो तरफ वायर विथ कॉइल फेंसिंग कार्य।	4,44,000.00	पीसीएण्डआर मद	4440.00	750.00	'डी' - श्रेणी व उससे अधिक	03 माह
02	शस्त्रागार/आरमोररी के सामने तरफ रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य	7,67,000.00	पीसीएण्डआर मद	6770.00	750.00	'डी' - श्रेणी व उससे अधिक	03 माह

निविदा संबधी शर्तें कार्यालय से प्राप्त करें ।

जी नंबर-252602310/3

सेनानी
18वीं वाहिनी (विभार) छ. स . बल चैनपुर
जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर (छ.ग.)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को हरेली पर्व की दी शुभकामनाएं...

रायपुर,23 जुलाई2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के परंपरागत लोकपर्व हरेली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो हमारी कृषि संस्कृति, लोक परंपरा और प्रकृति प्रेम का प्रतीक है। मुख्यमंत्री

ने कहा कि हरेली पर्व खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्योहार है, जिसमें किसान अपने कृषि उपकरणों की पूजा कर धरती माता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। यह पर्व न केवल अच्छी फसल की कामना का अवसर है,बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य की भावना को भी प्रकट करता है।

श्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि इस वर्ष हरेली पर्व को हम और भी सार्थक बनाएं। धरती माता की पूजा के साथ वृक्षारोपण करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक बने। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि हरेली पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियाँ, समृद्धि और हरियाली लेकर आए। उन्होंने सभी नागरिकों से इस लोकपर्व को आपसी सौहार्द, प्रकृति प्रेम और परंपरा के सम्मान के साथ मनाने का आह्वान किया।

क्या जॉगिंग के साथ अस्पताल का निरीक्षण कर रहे स्वास्थ्य मंत्री ?

स्वास्थ्य मंत्री विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद फिर अपने विभाग को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यवस्था का जायजा लेने अभियान किए शुरू...

» अपने स्वास्थ्य के साथ अस्पताल में भी लोगों के स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था देखने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री।

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,23 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद एक बार फिर अपने विभाग को सजग बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री जॉगिंग वाले समय में जॉगिंग ड्रेस पहने हुए अस्पताल का निरीक्षण करते देखे गए ऐसा लगा कि वह अस्पताल का निरीक्षण जॉगिंग के साथ-साथ एक समय पर कर रहे हैं कहा जाए तो जॉगिंग भी हो गई और अस्पताल के निरीक्षण के साथ मरीजों की समस्या भी सुनी और देख ली गई,समय का सदुपयोग इसी को शायद कहा जाता है,यह तो उनके कार्यों की बात हुई और अपने समय को कैसे मैनेज करते हैं यह उनका स्वविवेक है पर विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद क्या

उन्होंने सदन में स्वास्थ्य मामलों से जुड़े सवालों से घिरने के बाद फिर से और अधिक बेहतर करने के लिए अपने विभाग व अस्पतालों का निरीक्षण करना ज्यादा उचित समझा ऐसा माना जा रहा है सूत्रों का कहना है कि जब-जब विधानसभा सत्र में उनके विभाग से जुड़े सवाल होते हैं उसके बाद वह उन कमियों को अपने दिमाग में बैठा लेते हैं और उसे दूर करने का प्रयास करने लगते हैं यह स्वास्थ्य मंत्री के अंदर की एक अजीब सी जिज्ञासा है जिसे वह अपने काम का हिस्सा मानते हैं और कमियों से घिरने के बाद भी उसे जानकर फिर से उसे व्यवस्थित करने में वह जुट जाते हैं।

अस्पताल में भर्ती मरीजों से की मुलाकात,की आत्मीयता से बातचीत

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह राजधानी रायपुर के डीकेएस अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया स्वास्थ्य मंत्री ने। अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीय संवाद कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा अस्पताल में इलाज एवं मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा। साथ ही अस्पताल परिसर की साफ-सफाई,दवा वितरण, चिकित्सकीय जांच, ऑपरेशन थियेटर, वार्ड व्यवस्था जैसी सुविधाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान डॉक्टर्स व अस्पताल के कर्मचारियों से संवाद कर सेवाभाव से मरीजों की देखभाल करने एवं अधिक संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। बता दें कि हाल ही में बीते विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए गए थे जिसमें मंत्री जी घिरते नजर आए थे लेकिन विधानसभा सत्र के तत्काल पश्चात जिस तरह वह सक्रिय हुए हैं और अस्पतालों का निरीक्षण उन्होंने करना शुरू किया है लगता है वह सवालों को लेकर गंभीर हैं और वह ऐसे ही मामले को जाने नहीं देंगे और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उनका प्रयास और अधिक देखा जाएगा, सुबह सुबह जिस तरह उन्होंने राजधानी के डीकेएस अस्पताल का जॉगिंग के समय निरीक्षण किया है वह यह साबित करता है कि वह काफी चिंतनशीलता बरत रहे हैं स्वास्थ्य मामलों में और वह प्रदेश के लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रदायता को लेकर काफी गंभीर हैं।

प्रदेश के सभी शासकीय अपस्तालों में व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी यदि मंत्री जी ऐसे ही निरीक्षण कर पहुंचते रहेंगे

स्वास्थ्य मंत्री का सुबह सुबह राजधानी के डीकेएस अस्पताल पहुंचना और वहां मरीजों से साथ ही डॉक्टरों सहित अन्य कर्मचारियों से बात करना समझाइश देना यह बतलाता है कि वह प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर काफी सजग हैं,उनके इस निरीक्षण कार्यक्रम को लोगों की तरफ से सराहना भी मिल रही है और लोगों का मानना है कि इस तरह के आकस्मिक निरीक्षण से प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों की स्थिति में व्यवस्थाओं में अधिक सुधार की गुंजाइश देखने को मिलेगी,लोगों की अपेक्षा है कि मंत्री जी इसी तरह आगे भी निरीक्षण कार्य में लगे रहें जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था अधिक से अधिक सुदृढ़ होती जाए।

माना जा रहा है कि वह आगे इसी तरह अधिक सक्रिय नजर आने वाले हैं और उनका निरीक्षण आगे जारी रहने वाला है जो विभिन्न शासकीय अस्पतालों की व्यवस्थाओं को लेकर एक सुधारात्मक निरीक्षण साबित होगा क्योंकि विभागीय मंत्री के निरीक्षण को लेकर अस्पताल सजग होंगे और वह खुद से व्यवस्थाओं को लेकर प्रयास अधिक करेंगे।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीएम साय ने निखिल कश्यप को दी श्रद्धांजलि

रायपुर,23जुलाई 2025(ए)। सीएम विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित विधायक कॉलोनी में आयोजित शोक सभा में शामिल होकर वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे एवं बस्तर के पूर्व सांसद दिनेश कश्यप के सुपुत्र स्वर्गीय निखिल कश्यप को श्रद्धांजलि अर्पित

की। मुख्यमंत्री ने स्व. निखिल कश्यप की पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर गहरी संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री साय ने इस दुःखद अवसर पर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

पांच डिसमिल से कम की कृषि जमीन की रजिस्ट्री पर रोक

जिला पंजीयकों को जारी किया गया पत्र

रायपुर,23जुलाई 2025(ए)। सरकार ने 5 डिसमिल से कम आकार के कृषि जमीन की रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है। इस सिलसिले में महानिरीक्षक (पंजीयन) ने सभी जिला पंजीयकों को पत्र लिखा हैं। पिछले दिनों विधानसभा में संशोधन विधेयक होने के बाद राजपत्र में प्रकाशन की प्रक्रिया चल रही है। इससे पहले ही रजिस्ट्री न करने के लिए आदेश दे दिया गया है।

कोर्ट रूम के भीतर क्लर्क ने की आत्महत्या

न्यायिक अधिकारी पर काम के दबाव का लगाया आरोप, कर्मचारियों में नाराजगी

भिलाई ,23 जुलाई 2025(ए)। दुर्ग जिले के भिलाई-3 स्थित व्यवहार न्यायालय परिसर में चौंकाने वाली घटना सामने आई, यहां कोर्ट में पदस्थ एक क्लर्क ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 46 वर्षीय सोमनाथ ठाकुर के रूप में की गई है, जो न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिनव डहरिया के कोर्ट में कार्यरत था। यह घटना तब सामने आई जब कोर्ट में कामकाज शुरू होने वाला था और कर्मचारियों ने उन्हें कोर्ट रूम के भीतर फंदे से लटका पाया।

कटरबाजी में एक स्टूडेंट गंभीर

भिलाई,23 जुलाई 2025(ए)। शहर समेत अन्य इलाकों में कटरबाजी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में एक बार फिर स्कूली छात्रों के बीच खुनी संघर्ष

हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, भिलाई के रामनगर सरकारी स्कूल में छात्रों के बीच विवाद हुआ। इस विवाद में एक छात्र ने दूसरे छात्र पर कटर से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी छात्र मौके से फरार हो गया। वहीं घायल छात्र को इलाज के लिए सुपेला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस वरदाता की जानकारी मिलते ही वैशाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी छात्र की तलाश में जुट गई है।

डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ सख्त रुख

बृजमोहन अग्रवाल बोले 'उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि'

रायपुर,23जुलाई 2025(ए)। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने आज लोकसभा में ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले डार्क पैटर्न के बढ़ते उपयोग को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री से इस विषय में प्राप्त शिकायतों का विवरण और अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी मांगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बी.एल. वर्म ने बताया कि 30 नवंबर 2023 को डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन हेतु दिशानिर्देश, 2023÷ जारी किए गए। 5 जून 2025 को सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को स्व-ऑडिट कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उनके प्लेटफॉर्म पर कोई डार्क पैटर्न मौजूद न हो। तीन माह के भीतर सभी कंपनियों से स्व-घोषणा भी मांगी गई है ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास बना रहे। उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त कार्य समूह का गठन भी किया गया है जिसमें मंत्रालयों, उपभोक्ता संगठनों,विधि विश्वविद्यालयों व विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।

सौम्या, सूर्यकांत समेत परिवार की संपत्ति अटैच को लेकर लगी याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

बिलासपुर,23जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सूर्यकांत तिवारी और सौम्या चौरसिया सहित परिवार के लोगों की संपत्ति अटैच किए जाने की कार्रवाई को हाइकोर्ट में चुनौती दी गई थी।केजेएसएल कोल पावर और इंद्रमणि मिनरल्स ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से याचिका लगाई थी, जिस पर लगातार सुनवाई के बाद सभी 10 याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा गया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और विभू दत्त गुरु की डबल बेंच में सभी पहलुओं पर लंबी बहस के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया था,जिसे आज सार्वजनिक किया गया है। इस याचिका को कोर्ट ने लंबी कानूनी बहस के बाद खारिज कर दिया गया है।

युवा आयोग अध्यक्ष तोमर मिले आईआईआईटी छत्तीसगढ़ के कुलपति से

रायपुर,23जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय तोमर ने बीते दिनों आईआईआईटी(इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) छत्तीसगढ़ के कुलपति ओमप्रकाश व्यास से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के लगभग 150 युवाओं को एआई व नई टेक्नोलॉजी में ट्रेन करने करने की योजना पर बात

की। श्री तोमर ने बताया कि आईआईआईटी(इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) छत्तीसगढ़ के कुलपति ओमप्रकाश व्यास से उन्होंने छत्तीसगढ़ के वो युवा जो आईआईआईटी में पढ़ने का सपना तो देखते हैं पर किसी कारण से वहां तक पहुंच नहीं पाते उन्हें नई जेनरेशन की एआई व नई टेक्नोलॉजी से जुड़ी अल्पावधि शिक्षा के माध्यम से जोड़कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने की योजना बनी है।

रायगढ़ में मचा हाथियों का तांडव

5 साल की मासूम समेत तीन ग्रामीणों को मार डाला...

» इलाके में दहशत का माहौल

रायगढ़,23जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। धरमजयगढ़ वनमंडल अंतर्गत लैलूंगा वन परिक्षेत्र में हाथियों ने जमकर तांडव मचा दिया। इंसानों और जानवरों के इस संघर्ष में तीन ग्रामीणों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें एक 5 वर्षीय मासूम बच्ची भी शामिल है। इस भीषण घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया है।

जानकारी के अनुसार यह मामला लैलूंगा के मोहनपुर गांव का है। जहां हाथियों के दल एक एक कर तीन लोगों की जान ले ली। बताया गया कि हाथी के दल ने पांच साल के बच्ची को पटक कर मार डाला। वह घर में सोई थी, तभी हाथी आ धमका। मकान को तोड़ दिया और बच्ची को सूंड से उठाकर पटक दिया। इधर अंगेकेला गांव में भी एक महिला को हाथी ने खेत में कुचल कर मार डाला।

मलबे में दबने से युवक की मौत

एक और घटना लैलूंगा रेंज के मोहनपुर गांव में घटी है। हाथी के दल ने घर के दीवार को धक्का देकर गिरा दिया। इस दौरान मलबे की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई।

3 लोगों की मौत से ग्रामीणों में दहशत

ग्रामीणों ने बताया कि गांव के करीब एक हाथी अपने शावक के साथ विचरण कर रहा था और रात होते ही उसी हाथी ने जमकर उत्पात मचाया है। आज सुबह हाथी के हमले से तीन लोगों की मौत की खबर के गांव के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी गांव पहुंचे हैं। पुलिस को भी सूचना दी गई है। मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

पहले तोड़े घर,फिर लोगों को बनाया निशाना

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों का यह जोड़ा पहले गांव में घुसा और कई कच्चे-पक्के मकानों को तोड़ डाला। जान बचाने के लिए लोग घरों से भागने लगे, लेकिन हाथियों का हमला यहीं नहीं थमा। धरमजयगढ़ के डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यही मादा हाथी और उसका शावक कुछ दिन पूर्व बाकारुमा गांव में भी एक ग्रामीण की जान ले चुके हैं। यह जोड़ी लगातार विभिन्न गांवों में घूमते हुए जान-माल का नुकसान पहुंचा रही है। बता दें कि कई लोग गांव छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

ग्रामीणों में रोष, सुरक्षा की मांग

लगातार हो रहे हाथी हमलों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि वन विभाग द्वारा उचित चेतावनी या सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जा रही है। लोग रात्रि गश्त, वन सुरक्षा दल और त्वरित अलर्ट सिस्टम की मांग कर रहे हैं ताकि आगे किसी और की जान न जाए। फिलहाल लैलूंगा क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण है। वन विभाग के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इंसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हाथियों को भी सुरक्षित वन क्षेत्र की ओर वापस ले जाए।

मंत्री के भतीजे की सड़क हादसे में मौत

डिवाइडर से टकराई स्पोर्ट्स बाइक के उड़े परखच्चे

रायपुर,23जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार के वन मंत्री केदार कश्यप और पूर्व सांसद दिनेश कश्यप के 24 वर्षीय बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा नवा रायपुर में हुआ है। निखिल कश्यप अपनी बाइक से कहीं जा रहा था इसी दौरान हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक अचानक

डिवाइडर से टकरा गई निखिल नीचे गिर गया। सिर फटने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड का नाम बदला

अब जिन्दल स्टील लिमिटेड हुआ

रायपुर,23जुलाई 2025(ए)। जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड का नाम परिवर्तन भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से अनुमोदन के बाद कल प्रभावी हुआ है। जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड का नाम बदलकर जिन्दल स्टील लिमिटेड करने की मुख्य वजह यह है कि कंपनी सिर्फ अपने मुख्य काम, यानी स्टील उत्पादन पर अधिक ध्यान देने और भविष्य में एक मज़बूत स्टील कंपनी के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इस नए नाम से कंपनी को देश और विदेश, दोनों जगह अपनी पहचान साफ़ तौर

पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। साथ ही,कंपनी अपनी पुरानी पहचान और मूल्यों को भी बनाए रखेगी। यह परिवर्तन कंपनी (इनकॉरपोरेशन) नियम-2014 के नियम-29 के अनुसार किया गया है । इसकी पुष्टि के लिए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज द्वारा नए नाम को दर्शाने वाला इनकॉरपोरेशन प्रमाणपत्र जारी किया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)